Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 172 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

नागरिक आदर्शवान और अनुशासित होना चाहिये, हमारा देश निश्चित विकास करेगा।

Our country would Certainly develop it our citizens submit the mselves to idealism and discipline.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन

दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस, देशभर में शोक की लहर, श्रद्धाजंलियों का तांता, 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित

आर्थिक सुधारों के लिए सदैव याद किए जाते रहेंगे

कांग्रेस सम्मेलन स्थगित, राहुल गांधी एवं खरगे दिल्ली वापस

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का आज दुखद हो गया। वे 92 वर्ष के थे। आज शाम उन्हें सांस लेने में परेशानी होने पर एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था और रात्रि 9:51 पर उन्होंने अंतिम सांस ली। 7 दिनों का राष्ट्रीय घोषित।

डॉ. मनमोहन सिंह दो बार कांग्रेस शासन काल में प्रधानमंत्री पद पर रहे। डॉ. मनमोहन सिंह अविभाजित भारत में 26 सितंबर 1932 में जन्म लिया था और 92 वर्ष की आयु में उनका आज निधन हो गया।

डॉ. मन मोहन सिंह देश के वित्त भी मंत्री रहे। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के गवर्नर रहे। देश के वित्तीय मामलों में डॉ. मनमोहन सिंह का कोई सानी नहीं था। उन्हें वित्तीय आर्थिक सुधार के लिए भी सदैव याद किया जाता रहेगा।

बतौर वित्त मंत्री 1991 में उन्होंने अपना पहला बजट संसद में पेश किया था। 1971 में वे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार भी रहे। 1972 में वित्त मंत्री के वित्त मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार बने। 1982 से 1985 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे। 1991 में पहली बार असम से वे राज्यसभा में पहुंचे थे 1991 से 6 बार वे राज्यसभा के सदस्य रहे।

शाम को डॉ0 मनमोहन सिंह के परिवारजन सहित प्रियंका गांधी एम्स दिल्ली पहुंच गए थे साथ ही कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भी एम्स पहुंच गए थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी कांग्रेस के वेलगामी सम्मेलन, जो कि कल होना था वहां से वापस आ गए हैं। यह भी खबर है कि कांग्रेस ने अपने सभी कार्यक्रम डॉ. साहब के निधन के बाद स्थित कर दिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर मनमोहन सिंह को दूरदर्शी अर्थव्यवस्था सुधारक बताते हुए उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया। मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी, उपराष्ट्रपति श्री धनखड़, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख मायावती, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री अतिशी, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, लो.स. स्पीकर ओम बिरला सहित देश के वरिष्ठ राजनेताओं समाजसेवियों उद्योगपतियों संपादक पत्रकारों व्यापारियों ने राष्ट्र हित में समर्पित एक उच्च नेतृत्व करने वाले नेता के रूप में निरूपित किया।

डॉ. सिंह के भारत के विचार के मूल में सिर्फ़ उच्च विकास ही नहीं बल्कि समावेशी विकास और ऐसी लहरों का विश्वास था जो सभी नावों को ऊपर उठा सकें। यह विश्वास उन विधेयकों के पारित होने में निहित था, जिन्होंने नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित किया। उन्होंने मनरेगा द्वारा ग्रामीण अंचलों में रोजगार उपलब्ध कराने की देश की बड़ी योजना की शुरुआत कराई थी। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की।

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव की बिटिया राष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी हेमबती नाग को मिला प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से 17 बच्चे हुए सम्मानित

नई दिल्ली/रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से 17 बच्चों को सम्मानित किया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से राष्ट्रीय जुडो खिलाड़ी, छत्तीसगढ़ के कोंडागांव की बिटिया हेमबती नाग को आज राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। इन बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सात विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि पूरे देश और समाज को इन पर गर्व है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण कार्य किए हैं, आश्चर्यजनक उपलब्धियां हासिल की हैं, उनके पास असीमित क्षमताएं हैं और उनमें अतुलनीय गुण हैं। उन्होंने कहा कि ये बच्चे देश के अन्य बच्चों के लिए एक प्रेरणा हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश की परंपरा बच्चों को अवसर प्रदान करने और उनकी प्रतिभाओं को पहचानने की रही है। उन्होंने जोर दिया कि इस परंपरा को और मजबूत किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं : इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने हेमबती नाग को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गुरु गोविंद सिंह के वीर साहिबजादों के अमर बलिदान की कहानी स्कूली पाठ्यक्रम में होगी शामिल

- वीर बाल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की बड़ी घोषणा
- मुख्यमंत्री ने कहा- साहिबजादों के बलिदान की कहानी युवा पीढ़ी को साहस के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी
- मुख्यमंत्री वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। गुरु गोविंद सिंह जी के वीर साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के अमर बलिदान की कहानी अब छत्तीसगढ़ के स्कूली बच्चों को पढ़ाई जाएगी। वीर साहिबजादों के वीरता की यह कहानी देश के युवाओं को साहस के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज वीर बाल दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बड़ी घोषणा की। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह और वीर साहिबजादों का पुण्य स्मरण कर कहा कि हमें उनकी शिक्षाओं को अपनाना चाहिए और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ना चाहिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वीर साहिबजादों के जीवनी पर आधारित एनिमेटेड फिल्म भी देखी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें राष्ट्र की रक्षा के लिए सिख गुरुओं के त्याग की महान सिख परंपरा की याद दिलाता है। हमें ऐसे महान वीर सपूतों की प्रेरक कहानियां अपने बच्चों और समाज को बतानी चाहिए। उन्होंने श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहेबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीर बाल दिवस पर किया सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारत मंडपम में आयोजित तीसरे वीर बाल दिवस कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने साहिबजादों की वीरता और बलिदान को याद करते हुए इस दिन की अहमियत पर प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान का भी शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य कुपोषण को समाप्त करना और विकसित भारत की नींव तैयार करना है। पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीर बाल दिवस के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह दिन अब करोड़ों भारतीयों के लिए राष्ट्रीय प्रेरणा का पर्व बन चुका है। इस दिन ने न केवल साहिबजादों की वीरता की गाथाओं को जीवित रखा है, बल्कि यह लाखों बच्चों और युवाओं को अदम्य साहस और समर्पण के लिए प्रेरित भी करता है। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से उन 17 बच्चों की सराहना की, जिन्हें आज वीर बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें साहिबजादों की वीरता और बलिदान की गाथा से परिचित कराता है, जो राष्ट्र और आस्था के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

27 से 31 तक छत्तीसगढ़ के प्रवास पर रहेंगे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत 27 से 31 दिसंबर तक रायपुर प्रवास पर रहेंगे। सरसंघचालक का यह संगठनात्मक प्रवास है। इस दौरान वह अलग-अलग सत्र में कार्यकताओं व वरीय अधिकारियों के साथ संगठन के दृढीकरण पर चर्चा करेंगे।

1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025-26 में अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इसके निमित्त देश के अलग-अलग प्रांतों में सरसंघचालक का प्रवास हो रहा है। इस प्रवास में संबंधित प्रांत में संगठनात्मक कार्यों पर वह चर्चा करते हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संगठनात्मक विषयों व शताब्दी वर्ष पर चलने वाले कार्यक्रमों पर वह संगठन के अधिकारियों व कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

विभिन्न सत्र में लेंगे बैठक : डॉ मोहन भागवत अपने प्रवास के दौरान विषय आधारित विभिन्न बैठकों में संगठनात्मक कार्यों की चर्चा करेंगे। इन बैठकों में कार्य विस्तार के साथ कार्यकर्ताओं व स्वयंसेवकों के गुणात्मक विकास पर विशेष रूप से चर्चा होगी। वह पंच परिवर्तन स्व का बोध, सामाजिक समरसता कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल विकास व नागरिक कर्तव्य पर चर्चा करेंगे। संघ ने शताब्दी वर्ष में प्रत्येक गांव व शहरी क्षेत्र तक शाखा के माध्यम से पहुंचने का लक्ष्य रखा है।

प्रवास छत्तीसगढ़ में संघ कार्य को सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

जम्मू-कश्मीर के केबल-स्टेड अंजी खाद पुल पर ट्रायल रन हुआ पूरा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित देश के पहले केबल-स्टेड रेल पुल अंजी खाद पुल पर टावर वैगन का ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। यह उपलब्धि जम्मू-कश्मीर में रेलवे कनेक्टिविटी को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसके जनवरी 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रायल रन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें इस महत्वपूर्ण परियोजना की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। रेल मंत्रालय के अनुसार, उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के एक प्रमुख घटक अंजी खाद पुल पर ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। पिछले महीने बनकर तैयार हुआ अंजी खाद पुल इंजीनियरिंग का एक चमत्कार है, जिसमें एक ही सपोर्ट टावर स्ट्रक्चर नदी तल से 331 मीटर ऊपर है। यह अपने लेटरल और सेंट्रल स्पैन पर 48 केबलों द्वारा सपोर्टेड है और कुल लंबाई में 473.25 मीटर है। यह लंबा ब्रिज 120 मीटर की दूरी पर है, जबकि केंद्रीय तटबंध 94.25 मीटर तक फैला है। यह चेनाब ब्रिज के बाद भारत का दूसरा सबसे ऊंचा रेलवे पुल है, जो नदी तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है।

जनवरी से शुरू होगी रेलवे कनेक्टिविटी

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

अमित शाह ने BBSSL द्वारा वर्ष 2025-26 में और 20,000 समितियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा

कहा- BBSSL को बीज उत्पादन के लिए पानी और कीटनाशक के उपयोग को कम करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए

दिल्ली (पीआईबी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर और श्री मुरलीधर मोहोल, सचिव, सहकारिता मंत्रालय, डॉ. आशीष कुमार भूटानी, अतिरिक्त सचिव, सहकारिता मंत्रालय, श्री पंकज कुमार बंसल और अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, BBSSL उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' और किसानों को समृद्ध बनाने के विज़न को साकार करने की दिशा में भारतीय सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बैठक में क्क्सस्रु द्वारा वर्ष 2025-26 में और 20, 000 समितियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा। श्री शाह ने कहा कि BBSSL को बीज उत्पादन के लिए पानी और कीटनाशक के उपयोग को कम करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों की उपज उच्चतम हो और उनकी फसल की परिपक्वता की अवधि अधिक हो इस दिशा में काम करे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि BBSSL भारत के परंपरागत 'मीठे' बीजों के संग्रहण और संरक्षण की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इफ्को और कृभको को हमारे मूल और हाइब्रिड बीजों का पोषक तत्वों की दृष्टि से मूल्यांकन करना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि पारंपरिक 'मीठे' या लुप्तप्राय बीजों के संवर्धन व संरक्षण के साथ-साथ पोषक तत्वों को कम किए बिना दलहन और तिलहन के बीजों का उत्पादन बढ़ाना BBSSL की प्राथमिकता रहनी चाहिए।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि इफ्को और कृभको को अपनी प्रयोगशालाओं को आदर्श और सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला बनाने की दिशा में प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सहकारी संस्थाओं को सभी किसानों को प्रमाणित बीज से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

बीएड सहायक शिक्षक सरकार के ध्यानाकर्षण के लिए आज करेंगे मुंडन कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। आज सुबह 10 बजे पुरुष शिक्षको व दोपहर 2 बजे महिला शिक्षको का मुंडन कार्यक्रम सरकार के ध्यानाकर्षण हेतु धरनास्थल तूता में रखा गया है । 3000 बीएड सहायक शिक्षक 14/12/2024 से अम्बिकापुर से रायपुर 350 किमी की पैदल अनुनय यात्रा निकाल कर रायपुर पहुंचे है एवं दिनांक 19/12/2024 से तुता धरना स्थल रायपुर में अपनी नौकरी सुरक्षा के लिए सरकार से विनती कर रहे है जगह जगह मंदिर,मस्जिद,गुरुद्वारे चर्च जाकर अपनी नौकरी सुरक्षा के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे है । लगातार गौसेवा आश्रम जाकर गौसेवा,मरीन ड्राइव में स्वच्छता अभियान के तहत झाड़ू लगाकर,हर गली चौराहे ऑटोरिक्शा पर पोस्टर द्वारा, रक्तदान कार्यक्रम में 50 शिक्षकों ने रक्तदान देकर,देवेंद्र नगर साईं मंदिर में प्रसाद बनवाकर जरूरतमंदों की मदद कर रहे है, छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रियों विधायको को आमंत्रण पत्र भी दिया जा चुका है कि किंतु अब तक सरकार का कोई प्रतिनिधि हमसे न मिलने आये है ना सरकार के द्वारा हमारी सेवा सुरक्षा हेतु कोई ठोस आश्वासन या समाधान दिया गया है । इसलिए हम ध्यानाकर्षण हेतु सामूहिक मुंडन कार्यक्रम रख रहे है। अत- समाज के चौथे स्तंभ सभी मीडिया संपादक महोदय जी से विनम्र निवेदन करते है कि आप हमारी खबर को सरकार तक पहुँचाकर हम 3000 बीएड सहायक शिक्षकों की नौकरी सुरक्षा हेतु ठोस कदम उठाकर हम बीएड सहायक शिक्षकों को न्याय दिलवाए।

आरडीए की संपति विक्रय हुई ऑनलाईन

देश दुनिया से कोई भी भारतीय नागरिक खरीद सकेगा रायपुर विकास प्राधिकरण में संपत्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर विकास प्राधिकरण की संपत्तियां अब घर बैठे ही खरीदी जा सकेगी। आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज प्राधिकरण की ऑनलाईन संपत्ति विक्रय की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री चौधरी ने कहा कि प्राधिकरण की यह एक अच्छी पहल है इसका फायदा आम लोगों को मिलेगा। इससे संपत्ति के व्ययन प्रकिया में पारदर्शिता आएगी। इस कार्यक्रम में आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सौरभ कुमार भी उपस्थित थे।

संपत्ति ऑन लाईन विक्रय सॉफ्टवेयर के बारे में रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन ने बताया कि ऑन लाईन प्रक्रिया के माध्यम से रायपुर विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में उपलब्ध संपत्ति खरीदने के इच्छुक भारतीय नागरिक वेबसाइट के माध्यम से योजनावार, कैटेगरी (प्लॉट, फ्लैट आदि विभिन्न प्रयोजन) में उपलब्ध संपत्ति की खोज कर ऑनलाईन ही राशि का भुगतान कर क्रय कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इससे नागरिक प्रापर्टी ब्रोकर और एजेन्टो के धोखें और परेशानियो से बच सकेगें। ऑनलाईन प्रक्रिया से संपत्ति विक्रय की प्रीमीयम राशि, जलकर और अन्य भुगतान किया जा सकेगा। ऑन लाईन संपत्ति विक्रय की इस प्रक्रिया को लोगों को बार बार प्राधिकरण कार्यालय में आने की परेशानी नहीं होगी और समय की भी बचत होगी। श्री जैन ने आगे कहा कि ऑन लाईन संपत्ति खरीदने के लिए प्राधिकरण की वेबसाईट आरडीए सीजीस्टेट डॉट जीओवी डॉट इन (ह्म्स्रड्ड.ष्द्दह्यह्लड्डह्लद्ग..द्दश1.द्बठ्ठ) का अवलोकन किया जा सकता है। श्री जैन ने कहा इस प्रक्रिया से प्राधिकरण प्रशासन में जवावदेही और दक्षता में वृध्दि होगी। छत्तीसगढ़ के आवास एवं पर्यावरण मंत्री ने ऑन लाईन संपत्ति विक्रय के शुभारंभ करते हुए रायपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों की सकरात्मक सोच के लिए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में प्राधिकरण की अतिरिक्त सीईओ श्रीमती शिम्मी नाहिद सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सांसद बृजमोहन ने किया हमर हॉस्पिटल और लाइब्रेरी भवन का लोकार्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वास्थ्य और शिक्षा पर निवेश करना, समाज को दीर्घकालिक रूप से सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका है। इन दोनों क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर, हम न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य उज्जवल बना सकते हैं। यह कहना है सांसद बृजमोहन अग्रवाल का जिन्होंने गुरुवार को पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड, बैरन बाजार में हमर हॉस्पिटल और जिमखाना क्लब में नवनिर्मित लाइब्रेरी भवन का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, स्वास्थ्य और शिक्षा जीवन की मूल आवश्यकताएं हैं, जो व्यक्ति और समाज के समग्र विकास को सुनिश्चित करती हैं। हमर हॉस्पिटल और नवनिर्मित लाइब्रेरी भवन का लोकार्पण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और पढ़ाई के लिए एक शांत और सुसज्जित वातावरण प्राप्त होगा। इस अवसर पर विधायक सुनील सोनी, नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे, मनोज वर्मा और अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पेपर लीक करवाकर युवाओं का एकलव्य की तरह काटा जाता है अंगूठा, ताजा उदाहरण बिहार : राहुल गांधी

पटना (आरएनएस)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज होने के बाद से देश और प्रदेश की राजनीति का तापमान बढ़ गया है। विपक्ष के नेता इसे लेकर बिहार सरकार को घेरने में जुटे हैं।

इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैंने संसद में कहा था कि जिस तरह एकलव्य का अंगूठा कटवाया गया था उसी तरह पेपर लीक करवाकर युवाओं का अंगूठा काटा जाता है। इसका ताजा उदाहरण बिहार है। बीपीएससी अभ्यार्थी पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं और एग्जाम को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन, एनडीए की सरकार अपनी नाकामी को छुपाने के लिए उल्टा छात्रों पर ही लाठी चार्ज करवा रही है। यह बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम उनके साथ हैं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए लड़ेंगे।

वहीं राजद प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने छात्रों पर लाठीचार्ज को गलत बताया है।

संक्षिप्त समाचार

गुरु बाबा घासीदास जयंती समारोह में शामिल हुए सुशील सन्नी अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। आज गोवर्धन चौक, डॉ राजेन्द्र नगर रायपुर में संत शिरोमणि गुरु बाबा घासीदास जी का जयंती समारोह का आयोजन किया गया जो कि विगत 40 वर्षों से किया जा रहा है तथा मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित होते है, जिसमे सुशील सन्नी अग्रवाल शामिल होकर पवित्र जैत खाम की पूजा अर्चना की एवं प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की और कहा कि बाबा घासीदास जी के 'मनखे मनखे एक समान' के संदेश का अनुसरण करते हुए हम सभी को परस्पर सद्भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए वर्तमान भाजपा सरकार सतनामी दलितों व पिछड़े समाज के लोगों के साथ अत्याचार कर रही है दलित समाज के लोगों को एवं सतनामी समाज के निर्दोष लोगों को जेल में बंद कर रही है जिससे कि समाज में सरकार के प्रति नाराजगी है। इस आयोजन में संतोष महिलांग, सुभाष कुर्रे, राजेश रात्रे, लाला पुरेना, किरपा राम चतुर्वेदी, राजकुमार कडोरे, तोरेंद्र कुमार जांगड़े, संजय लाल गेन्द्रे, नीलम नीलकंठ जगत, नीलकंठ जगत, कमलेश नथवाणी, बाकर अब्बास, विष्णु नायक, मुकेश मोंगराज, धनंजय सहित सतनामी समाज के वरिष्ठजन, महिला समूह एवं भारी संख्या में दर्शकगण मौजूद थे।

सक्षम जन फाऊंडेशन के सदस्यों ने की फिलपरमार्थम सेक्टर-3 में बुजुर्गों की सेवा

भिलाई (विश्व परिवार)। सक्षम जन फाऊंडेशन द्वारा समय समय पर अलग अलग जगहों पर जाकर समाज सेवा करते है इसी कड़ी में आज फाऊंडेशन के सदस्यों द्वारा सेक्टर 03 के फील परमार्थम में जाकर बुजुर्गों के साथ समय बिताए ओर वहां किए जाने वाले कार्यों के लिए संस्था के सभी सदस्यों द्वारा की जा रही सेवा के लिए अमित भाई द्वारा समाज में एक अलग पहचान बनाई सक्षम जन फाऊंडेशन के अध्यक्ष प्रमोद जैन सिंघल सचिव हरि सिंह सोलंकी अरुण वर्मा शंशाक जैन लोकेश बिलोने मोहन नीमा पनरीया सुमन ठाकुर मानव सेवा परिसर और जैन समाज के युवा समाजसेवी प्रदीप साधना जैन बाकलीवाल अरुण सुनीता जैन पूजा आदि समस्त सदस्य उपस्थित रहकर अपनी सेवाएं प्रदान किया।

'मोर जमीन मोर मकान' के हितग्राही अपना ओ.टी.पी. अन्य व्यक्ति से साझा नहीं करना है

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओ में से एक प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 का शुभारंभ किया गया है। जिसमें बीएलसी (मोर जमीन-मोर मकान) योजना के तहत शासन से प्राप्त दिशा-निर्देश अनुसार प्राप्त आवेदनों का आनलाईन एन्ट्री प्रधानमंत्री आवास योजना के वेब यनिफाइड पोर्टल में किया जाना है। आनलाईन एन्ट्री में आवेदक के मोबाइल में ओटीपी आता है। आनलाईन एन्ट्री की प्रक्रिया निगम कार्यालय/अनुबंधित वास्तुविद के माध्यम से किया जा रहा है।

आवेदक के मोबाईल पर प्राप्त ओ.टी.पी. आनलाईन एन्ट्री करने वाले निगम के कर्मचारी को ही देवे। जो आपके घर में आकर फार्म भरवारा है आप उसको जानते हैं उसी को देना है। किसी अन्य बाहरी व्यक्ति को ना देवें। जिससे वह गोपनीय जानकारी का दुरूपयोग न कर सकें, किसी अन्य व्यक्ति को ओ.टी.पी. साझा करने से आप फ्राड के शिकार हो सकते हैं। नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने सभी नागरिकों से अपील की है कि शासन प्रशासन द्वारा बार-बार सूचना दी जा रही है। समाचार पत्रों मोबाइल में भी जानकारी आ रही है। अपनी ओटीपी या बैंक संबंधी किसी प्रकार के डिटेल किसी भी व्यक्ति को ना दे, फोन पर जानकारी कभी ना दे, संबंधित व्यक्ति को जानने के बाद ही जानकारी साझा करें। किसी प्रकार की संदेह होने पर आप निगम के संबंधित विभाग एवं अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर सकते है। आनलाईन एन्ट्री की प्रक्रिया नि:शुल्क है। आनलाईन एन्ट्री में आवेदक का आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित) एवं भूमि संबंधी दस्तावेज अपलोड किया जाना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए नगर पालिक निगम भिलाई के जोन 03 प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में संपर्क कर सकते है।

रामजन्म के दिव्य रहस्यों का हुआ विशद वर्णन, दिव्य संगीतमयी श्रीराम कथा के तीसरे दिन का भव्य आयोजन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। स्व. श्री सोनचंद वर्मा स्मृति फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित 7 दिवसीय दिव्य संगीतमयी श्री रामकथा के तीसरे दिन का कार्यक्रम भव्यता और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। अयोध्याधाम से पधारी सुप्रसिद्ध मानस विदुषी चंद्रकला जी ने प्रभु श्री राम के जन्म प्रसंग और उनके अवतार के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। कथा सुनने के लिए हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चंद्रकला जी ने भगवान श्री राम के अवतार के गूढ़ रहस्यों को उजागर करते हुए बताया कि जब-जब धर्म का पतन होता है और अधर्म बढ़ता है, तब प्रभु स्वयं अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। तुलसीदास जी द्वारा लिखित रामचरितमानस के आधार पर उन्होंने प्रभु श्री राम के जन्म के कारणों और उनके बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन किया।

कथा में बताया गया कि भगवान श्री राम के अवतार लेने के पांच प्रमुख कारण थे, जिनमें के समकादिक ऋषियों को श्राप, भक्तों की रक्षा और पृथ्वी पर धर्म की पुन: स्थापना शामिल है। चंद्रकला जी ने कहा, प्रभु श्री राम का अवतार धर्म की रक्षा और भक्तों की पीड़ा हरने के लिए हुआ। जब-जब अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान विविध रूपों में अवतरित होकर संसार को पवित्र करते हैं।

कथा में उपस्थित छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने अपने मधुर स्वर में भजन मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे गाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजन के दौरान पूरा पंडाल तालियों और जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। मंत्री जी ने अपनी प्रस्तुति से यह संदेश दिया कि प्रभु श्री राम की कृपा से हर भक्त का जीवन धन्य हो सकता है, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में क्यों न हो।

दो युवकों को वाहन ने मारी टक्कर, अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों की मौत

जगदलपुर (विसं)। लोहंडीगुड़ा स्थित मिचनार घूमने के लिए जा रहे दो युवकों को एक वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई है। इस घटना का पता चलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की जानकारी लगते ही परिजनों का अस्पताल में आना शुरू हो गया है।

बताया जा रहा है कि शहर के आठ-नौ युवक आज बुधवार को लोहंडीगुड़ा स्थित मिचनार घूमने के लिए अपनी बाइक और स्कूटी से निकले थे। मिचनार से पहले ही एक वाहन ने अमन और याकूब की स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों के सिर में चोट लग गई। उन्हें इलाज के लिए मेकाज ले जाया जा रहा था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी लगते ही परिजनों के साथ ही दोस्त और रिश्तेदार मेकाज पहुंचे।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO LTD
O/o Executive Director (Store & Purchase), 3rd Floor, SLDC Building, Dagania, Raipur (C.G.)-492013

No. ED/S&P/NIT/TR-24/S&P/29/1586 Raipur, dtd-24.12.2024

E-TENDER NOTICE

Sealed tenders are invited for supply of following materials:

Tender No.	Particulars	Cost of tender doc.(Rs.) including GST	EMD(Rs.)	Due date
TR-24/S&P/29 Rfx No- 8100040881	Touch screen digital multifunction power meters	1,180/-	15,600/-	15.01.2025 (15.00 Hrs.)

For all other details of NIT, please visit our website-www.cspc.co.in.

SAVE ELECTRICITY

EXECUTIVE DIRECTOR (S&P), CSPTCL, RAIPUR

SAMVAD- 42565/ 3

कार्यालय नगरपालिका परिषद कवर्धा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

क्र/5013/रा.वि./न.पा./2024-25 कवर्धा, दिनांक 20/12/24

नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, कि निम्नांकित सूची अनुसार भूमि भवन हस्तांरणकर्ता द्वारा हस्तांतरिती के नाम पर नाम परिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

क्रं.	प्र. क्रं.	हस्तांतरणकर्ता/पिता, पति का नाम	हस्तांतरिती/ पिता, पति का नाम	वार्ड नं.	खसरा / भूखंड	क्षेत्रफल	नामांतरण का आधार
1	179	श्री धनसिंह जायसवाल / रामकुमार	-	8	54/2	0.0123 hest	रजिस्ट्री पत्र
2	180	श्रीमती सुमन जायसवाल / सुखचंद	-	8	7/1	0.4060 hest	रजिस्ट्री पत्र
3	181	श्रीमती मधु जायसवाल / प्रमोद कुमार	-	8	54/2	0.0123 hest	रजिस्ट्री पत्र
4	182	श्रीमती देवकी/दिलीप सिंह धुव्र	श्रीमती द्रोपती साहू/लखन साहू	22	195/2	27.43 sqm	रा.नि./ मृत्यु प्रमाण पत्र
5	183	श्री जितेंद्र माथुर / श्यामलाल माधुर	श्रीमती राजो बाई साहू जेठूराम	26	445/7	0.0120 hest	रजिस्ट्री पत्र
6	184	श्रीमती रीता बंजारा/अनिल	-	26	466/80	0.160 hest	रजिस्ट्री पत्र
7	185	श्रीमती आहुती/भेदजीवन चेलक	-	17	956/8	0.0240 hest	रजिस्ट्री पत्र
8	186	श्री मधुसुदन, रवि, प्रतिमा, वदंना, अनुराधा, वर्षा, आ. सुखीराम, गांगी बाई बेवा सुखीराम डोगरें	श्री सुखीराम डोगरें/डोमाराम डोगरे	11	110	208.00 sqm	रा.नि.
9	187	श्री विजय कुमार ठाकुर/स्व.श्याम सिंह	श्री विजय कुमार, अजय सिंह, गणेश/स्व. श्याम सिंह ठाकुर	19	168/1	45.50 sqm	रा.नि.
10	188	श्रीमती सफुरा/समारु सतनामी	श्रीमती संगी बाई/मंगलराम	27	18/29	378 sqm	रा.गां. आ.यो. 2019 पट्टा/मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर
11	189	श्री किशोरचंद लूनिया/फूलचंद लूनिया	श्री फूलचंद लूनिया/	23	68/1	117.00 sqm	वंशानुसार
12	190	श्रीमती राजकुमारी चन्द्रवंशी/लीलाधर	रघुनाथमल जैन	2	175/10	0.012 hest	रजिस्ट्री पत्र
13	191	श्री विजय, देवी प्रसाद, आ.भिखारी / कांति बाई/भिखारी	स्व. भिखारी/कोदुराम	11	30	52.00 sqm	रा.नि.
14	192	श्री हरिशचन्द्र जायसवाल / पुन्नूराम	-	8	68/60	0.0130 sqm	रजिस्ट्री पत्र
15	193	श्रीमती रमता बाई/गौतम कौशिक	श्री रामविलास कौशिक/मिलऊ	2	161/1	300 sqm	रा.गां. आ.यो. 2019 पट्टा के आधार पर
16	194	श्रीमती पुष्पाजंली जायसवाल / शत्रुहन जायसवाल	श्री शत्रुहन जायसवाल/विष्णु	8	284/29	0.020 hest	रजिस्ट्री पत्र

अतः उपरोक्त सूची अनुसार जिसे भी इस संबंध में दावा/आपत्ति हो तो वह मूल प्रमाण पत्र एवं प्रमाणित दस्तावेज सहित इस सूचना प्रकाशित के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के पश्चात् या बिना प्रमाण के प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नामांतरण नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।
मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद कव कवर्धा, दिनांकः।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कवर्धा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)

शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./16918/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 26-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16918
वार्ड का नाम- 14- रमन मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR221B00125** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RUKHMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O LAXMAN RAO SIRKE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. दीपक शिर्के 2. सतीष शिर्के दोनों पिता स्व. वामनराव शिर्के** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्रीमती सीमा शिर्के पति स्व. ललित शिर्के 3 ना. बा. कु. गायत्री शिर्के, दिव्यांश शिर्के, पिता स्व. ललित शिर्के वली मां सीमा शिर्के** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)

ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./16953/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 25-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16953
वार्ड का नाम-41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569D00524** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती PRAMOD MAHAJAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **J.L. MAHAJAN** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती MOHAMMAD KAMAR UJJAMA KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMAD HASIB KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

आड़ावाल में 31 दिसम्बर को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

जगदलपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र आड़ावाल जगदलपुर में 31 दिसम्बर 2024 दिन मंगलवार को प्रात: 11 बजे से सांयकाल 04 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। जिसमें एक निजी नियोजक के कुल 23 पदों एकाउंटेंट, सुपरवाइजर, वेल्डर, मोटर मेकेनिक एवं सेल्स मैनेजर हेतु योग्य अभ्यर्थियों का किया जाएगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

(1) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-100-24-25
दिनांक : 23.12.2024

कार्य का नाम- बिल्हा, निपनिया, भाटापारा और हथबंध में पुरानी टूटा-फूटा, जीर्ण-शीर्ण 18 नंबर क्वार्टर (टाईप-। क्वार्टर-16 और टाइप-।। क्वार्टर-2) को नई 18 यूनिट टाइप-।। क्वार्टर में बदलना । **निविदा मूल्यः ₹ 5,49,71,428/-, ईएमडीः ₹ 4,24,900/-, निविदा प्रस्तुत करनाः** 11.00 बजे तक दिनांक 17.01.2025, **निविदा खोलनाः** 11.00 बजे दिनांक 17.01.2025.

विस्तृत विवरण/निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता मानदंड एवं उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, समन्वय/एसईसीआर रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें अथवा हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों का अवलोकन/डाउनलोड करें।

वरि. मंडल अभियंता-I
द.पू.म.रे., रायपुर

पीआर/आर/इंजी./एएन/195

South East Central Railway @secrail

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,

सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व- साधारण को सूचित किया जाता है, कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा, **दीनदयाल आवास योजनातंर्गत खम्हारडीह, रायपुर में स्थित एल.आई.जी. फ्लैट क्र. 557, ब्लॉक नं-24, (द्वितीय-तल),** को इस कार्यालय के आदेश **क्रमांक 1035 दिनांक 05.03.2008** के द्वारा **श्री गौतम चंद जैन पिता स्व. सुखलाल जैन एवं श्रीमती प्रमिला श्रीवास्तव पति श्री वी.एन. श्रीवास्तव,** के सयुंक्त नाम पर नामांतरित किया गया है। उन्होंनें उक्त फ्लैट के मद में सम्पूर्ण राशि जमा कर फ्लैट कि लीजडीड **दि. 13.06.2008** को पंजीकृत करने उपरांत इस कार्यालय के पत्र **क्रमांक 55 दिनांक 25.04.2009** को फ्लैट का आधिपत्य प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में **श्री गौतम चंद जैन पिता स्व. सुखलाल जैन, निवासी:- एल.आई.जी. -109, सेक्टर-02, शंकर नगर, रायपुर के द्वारा उक्त फ्लैट को हकग्रहिता श्रीमती प्रमिला श्रीवास्तव पति श्री वी.एन.श्रीवास्तव, निवासी:- शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में हकत्याग करने के लिये हकत्याग प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना शपथ पत्र, एवं अन्य दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त फ्लैट के हकत्याग करने के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,

सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मण्डल द्वारा निर्मित अटल विहार योजना उरला, अभनपुर, रायपुर में **ई.डब्ल्यू.एस. प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-103 ब्लॉक-02 भू-तल, श्रीमति अंजू मानिकपुरी पति श्री देवादास मानिकपुरी,** के नाम स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त प्रकोष्ठ भवन के मद मे पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय अभनपुर से **दिनांक 02.08.2023** की लीज डीड (पट्टा विलेख) का निष्पादन करा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। **वर्तमान में श्रीमति अंजू मानिकपुरी पति श्री देवादास मानिकपुरी, निवासी:- 58, अचानकपुर, तर्रा, जिला-दुर्ग (छ.ग.)** के द्वारा उक्त प्रकोष्ठ भवन को **क्रेता श्री विनोद वी चावरा पिता श्री वी.एच. चावरा, निवासी: मकान नं.-02, साई रेसीडेंसी लालपुर, रायपुर, तहसी व जिला-रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः अटल विहार योजना उरला, अभनपुर, स्थित ई.डब्ल्यू.एस. प्रकोष्ठ भवन **क्रमांक-103 ब्लॉक-02 भू-तल,** के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)

प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./15376/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15376
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E00514** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. SMT. RAJKUMARI CHOPDA W/O SANTOSH CHAND CHOPDA, 2. PRAKASH CHAND, SATISH KUMAR (H.U.F.) DIRECTOR- PRAKASH CHAND SANKHLA S/O RAMLAL JI SANKHLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SANTOSH CHAND CHOPDA, 2. PRAKASH CHAND, SATISH KUMAR (H.U.F.) DIRECTOR- PRAKASH CHAND SANKHLA S/O RAMLAL JI SANKHLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती राजकुमारी चोपड़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **संतोष चंद चोपड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)

प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./16481/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16481
वार्ड का नाम-46-मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 46 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR741A00185** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MO. ILYAS MEMON** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. ABDUL AZIZ MEMON** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **डॉ. उबैदा अली** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मीर आरिफ अली** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)

अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./15962/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 11-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15962
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446C00070** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL RANJAN SHEEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SAPNA SHIL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O LT. RANJAN SHIL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)

आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./16390/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 25-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16390
वार्ड का नाम- 59 -मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR651C00109** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LAXMI VASTRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. S.R. VASTRAKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAVITA VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SHASHIKANT VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)

आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./16665/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 25-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16665
वार्ड का नाम- 59 -मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR651B0776C** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ANIL KUMAR, SUNIL KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM AVTAR DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANIL KUMAR DEWANGAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **RAM AVTAR DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **BATWARANAMA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)

शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./16943/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 26-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16943
वार्ड का नाम- 36- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR436H00392** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DR MALANG HUA /SMT. YIN KUEI MA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DR MALANG HUA /SMT. YIN KUEI MA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **हू वांग सी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति- सी. एच. मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

वनवासी कल्याण आश्रम ने मनाया अपना 73वां स्थापना दिवस

बनवासी कल्याण आश्रम वनों में रहने वाले आदिवासियों भाइयों की सर्वांगीण विकास करने वाली सबसे बड़ी संस्था -मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर (दैनिक विश्व परिवार)- अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जिला समिति सूरजपुर ने वनवासी कल्याण आश्रम का 73वां स्थापना दिवस मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री की मुख्य अतिथि में सरस्वती शिशु मंदिर विश्रामपुर में मनाई। स्वागत गीत उपरांत मुख्य अतिथि कीआसंदी से मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम भारत के वनों में बसने वाले करोड़ो वनवासियों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य करने वाली अखिल भारतीय संस्था है,आश्रम वनवासियों के विकास के लिए सुदूर जनजाति गांवो के सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए तरह-तरह की प्रकल्प चलाता है। स्थापना दिवस के गौरवमयी कार्यक्रम में प्रमुख प्रवक्ता अखिल भारतीय पदाधिकारी प्रांतीय सचिव वासुदेव यादव ने वनवासी कल्याण आश्रम के संस्थापक बाला साहब देशपांडे के जीवनी एवं वनवासी कल्याण आश्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू धर्म का धर्मांतरण रोकने एवं वनवासियों के कल्याण के क्षेत्र में काम करने निमित्त रमाकांत केशव बालासाहेब देशपांडे ने अपने जन्मदिन 26 दिसंबर को वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना जशपुर रियासत के महाराज श्रीमंत राजा विजय भूषण के सहयोग से की,आज पूरे देश में सत्रह हजार से अधिक शाखाएं एवं बाईस हजार से अधिक परियोजनाएं चल रही हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोरिया विभाग प्रमुख नागेश नाथ योगी ने स्थापना दिवस पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाएं सुदूर वनांचल में रहने वाले जनजातीयों तक नहीं पहुंच पाती,वनवासी कल्याण आश्रम ऐसे स्थानों को चिन्हित कर उनके सामाजिक,आर्थिक विकास के लिए कार्य करती है,पूरे भारत में इसकी शाखाएं हैं। स्थापना दिवस पर स्वागत उद्बोधन जिला समिति के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने दिया,स्थापना दिवस पर ग्राम रूनियाडीह,जोबगा,लेडुआ से आए हुए स्कूल एवं संस्कार केंद्र के बच्चों के द्वारा सुआ,करमा,नित्य तथा भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। जिला समिति के द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन नगर अध्यक्ष महेश गुप्ता ने किया तथा महिला जिला संयोजक शशि किरण खेस ने उपस्थित सभी अतिथियों सहित आश्रम के सदस्यों एवं उपस्थित स्कूल एवं संस्कार केंद्र के बच्चों तथा गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया,इस अवसर पर राकेश भानु विभाग सहकार्यवाह, सुरेश भगत घोष प्रमुख विभाग कोरिया,शंभू नाथ विभाग बौद्धिक अन्य अतिथियों में सतनारायण जायसवाल, दीपेन चौहान,श्याम पांडे, मोहनी झा,ज्योति सिंह,दुर्गा गुप्ता,अनिल मिश्रा,संजीत सिंह,रवि शंकर बऊवा, सूरज शेट्टी,सनी मिश्रा,विष्णु अग्रवाल,मयंक गोयल, उपस्थित थे,कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के रामधनी भगत,राजेश साहू, प्रमिला साहू,हेमराज,केशव भगत आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मंत्री के स्वभाव का कायल हुए लोग, मंत्री ने कहा न जमीन छोड़िए न जमीर छोड़िए- उक्त कार्यक्रम में पहुंची महिला बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्रीमती

लक्ष्मी राजवाड़े .कार्यक्रम के पश्चात लोगों के साथ जैसे ही भोजन कार्यक्रम में पहुंची तो अपने हाथों से भोजन थाली लेकर जमीन में लगी घास के ऊपर बैठ कर भोजन करने लगी जब कि कुछ लोग बेंच एवं खड़े होकर भोजन किया ।बार-बार आगरा पर भी मंत्री जमीन पर बैठकर भोजन किया। लोगों के आग्रह पर मंत्री ने कहा कि न जमीन छोड़िए न जमीर छोड़िए। मंत्री के सादगी स्वभाव लोगों के हृदय में उतर गया। लोगों ने मंत्री के इस स्वभाव के लिए भूरी भूरी प्रशंसा की।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सूरजपुर ओपेन बैडमिंटन कप फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिला बैडमिंटन संघ सूरजपुर के तत्वावधान में आयोजित स्व गगनदीप बग्गा एवं स्व गगन राय के स्मृति में आयोजित सूरजपुर ओपेन बैडमिंटन कप 2024 का फाइनल मैच डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पुरुष वर्ग में रायपुर व दुर्ग टीम के मध्य खेला गया जिसमें दुर्ग की टीम विजयी रही तथा महिला वर्ग में आयुषी दीवान तथा समृद्धि जायसवाल के मध्य खेला गया जिसमें आयुषी दीवान विजयी रही ! प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के हाथों पुरुष्कार वितरण किया गया इस अवसर पर खिलाड़ियों तथा उपस्थितों को मंत्री जी ने खेल के महत्व के बारे में बताया तथा कहा कि खेल खेलने के कई फायदे है इससे शारिरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहते है है तथा आपसी भाईचारा बढ़ता है इस अवसर पर अनिल गोयल संदीप अग्रवाल डीएसपी राम श्रृंगार यादव लाल चंद अग्रवाल प्रमोद तायल एस सी मुखर्जी विनय गुप्ता उपस्थित रहे

महतारी वंदन योजना से ब्रज बाई का जीवन हुआ आसान

कोरबा(विश्व परिवार)। महतारी वंदन योजना ने महिलाओं के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लाया है और उनके जीवन को एक नई दिशा दी है। योजना के तहत मिलने वाली राशि से महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहायता मिलती है। यह योजना महिलाओं के जीवन को न केवल आरामदायक और स्वावलंबी बनाती है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास भी प्रदान करती है, जिससे वे अपने परिवार के लिए मजबूती से खड़ी हो पाती हैं। कोरबा विकासखंड के भैंसमा पंचायत की रहने वाली श्रीमती ब्रज बाई योजना का लाभ लेकर एक नई उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ जीवन जी रही हैं। महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उनके जीवन को आसान बना दिया है। ब्रज बाई के पति श्री संतू राम अपने 5 सदस्यीय परिवार के भरण पोषण के लिए नियमित रोजी-मजदूरी का कार्य करते हैं, लेकिन परिवार की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा कर पाना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता था। अब इस योजना से मिलने वाली राशि से वे घरेलू खर्चों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं, और साथ ही आकस्मिक खर्चों के लिए भी थोड़ी बचत करने में सफल हो रही हैं। ब्रज बाई कहती है इस योजना ने हमें न सिर्फ आर्थिक सहायता दी, बल्कि हमें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने का अवसर भी दिया है। अब वे इस धन का उपयोग अपनी घरेलू आवश्यकताओं राशन, दवाइयाँ और बच्चों की पढ़ाई में करती हैं। साथ ही पैसों का कुछ हिस्सा बचत के रूप में भी रखना शुरू कर दिया है, ताकि भविष्य में किसी भी आपातकालीन स्थिति का सामना किया जा सके। ब्रज बाई कहती है अब मुझे अपने परिवार के लिए चिंतित होने की जरूरत नहीं रहती। महतारी वंदन योजना के तहत मिल रही राशि हमें हर मुश्किल को आसान बनाने में मदद करती है।

गैस चूल्हे के पास गई महिला के सामने आया कोबरा सांप

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के पथरीपारा में सोमवार की रात 9 बजे एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जब एक महिला खाना बनाने के लिए गैस चूल्हे के पास गई उसका सामना चूल्हे से लिपटे एक खतरनाक जहरीले कोबरा सांप से हुआ। घटना उस समय की है, जब महिला अपनी रोजाना की तरह रात का खाना बनाने की तैयारी कर रही थी। डरी हुई महिला ने तुरंत परिवार को सूचित किया और स्थानीय लोगों द्वारा स्नेक रेस्क्यू टीम को जल्दी मौके पर पहुंचने के लिए कहा गया। टीम के सदस्य, अतुल सोनी उमेश यादव रेस्क्यूर थे, बेहद सतर्कता से घटनास्थल पर पहुंचे। रेस्क्यू टीम ने अपनी विशेष तकनीक का इस्तेमाल करते हुए सांप को शांत किया और उसे सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। सांप को पकड़ने में टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ी, क्योंकि सांप गैस चूल्हे के लोहे से बुरी तरह फंसा हुआ था में और किसी भी समय हमला करने की स्थिति में था। सर्पमित्रो ने बताया कि कोबरा सांप ठंडे मौसम से बचने के लिए अक्सर घरों में घुस जाते हैं, और गैस चूल्हे जैसे गर्म स्थानों को वे आरामदायक मान सकते हैं। रेस्क्यू टीम ने कोबरा को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया, जहां वह अपने प्राकृतिक आवास में लौट सका।

भव्य कलश यात्रा के साथी श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) आज विशाल कलश यात्रा निकली गई जो श्री राधा कृष्ण मंदिर से ,दक्षिण मुखी श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर बिश्रामपुर पहुंची । कलश यात्रा के साथ ही श्रीमद् भागवत कथा का आज प्रारंभ हुआ जो आगामी 1 जनवरी तक चलेगी।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन वाचक बालक व्यास श्री कृष्णा शरण जी महाराज द्वारा किया जा रहा है । आयोजन समिति द्वारा ज्यादा से ज्यादा संख्या में श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया जा रहा है।

आज श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य यजमान अशोक अग्रवाल पत्नी मीना अग्रवाल थी। क्या से पूर्व कलश नगर भ्रमण निकली गई जिसमें नगर के सुभाष गोयल, विजय गोयल,सुशील जैन , खजान चंद जिंदल ,मोहन गोयल, सतपाल तायल,रमेश गर्ग श्रीमती अनीता गोयल ,भावना मित्तल, पुष्पा गोयल, दीप्ति स्वाइ ,सुशील गोयल ,कौशल्या गोयल , सुशीला जिंदल ,रेनू अग्रवालसहित काफी संख्या में महिला पुरुष शामिल हुए। दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ ।कथा का प्रथम दिवस धुंधकारी उपख्यान ,27 दिसंबर को कुंती स्तुति ,भीष्म पितामह उपदेश, 28 दिसंबर सती चरित्र एवं शिव पार्वती विवाह, 29 दिसंबर वामन अवतार ,राम चरित्र एवं कृष्ण जन्म, 30 दिसंबर श्री कृष्णा बाल लीलाओं का वर्णन एवं गोवर्धन पूजन, 31 दिसंबर उद्धव गोपी संवाद विवाह एवं कृष्ण रुक्मणी विवाह, 1 जनवरी 2025 सुदामा चरित्र एवं सुखदेव भागवत जी की विदाई का आयोजन किया गया है ।आज श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस भक्त जनों की भीड़ उमड़ पड़ी ।आयोजन कर्ताओं ने श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होकर अधिक से अधिक कथा का आनंद लेने की अपील की है।

मिनीमाता चौक में उपद्रव कर रहे युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कवर्धा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक - पुष्पेंद्र बघेल एवं - पंकज पटेल के मार्गदर्शन में कवर्धा पुलिस ने मिनीमाता चौक पर उपद्रव कर रहे सात युवकों को गिरफ्तार कर एक बड़ी घटना को टाल दिया। ये युवक नशे की हालत में राहगीरों से झगड़ा कर रहे थे, मारपीट कर रहे थे और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। पुलिस ने समय पर कार्रवाई कर सार्वजनिक शांति बहाल की। दिनांक 25/12/2024 को पुलिस पेट्रोलिंग टीम को सूचना मिली कि मिनीमाता चौक पर कुछ युवक नशे में धुत होकर उत्पात मचा रहे हैं। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने पाया कि आरोपी न केवल राहगीरों से झगड़ा कर रहे थे, बल्कि आसपास के लोगों को गाली-गलौज कर धमका रहे थे। पुलिस ने तत्काल सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा और आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए युवकों के खिलाफ थाना कोतवाली में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। इसके अतिरिक्त, इनके खिलाफ धारा 170/125, 135 (3) बीएनएसएस के तहत भी कार्रवाई की गई है।

जब मेहनत का सही मूल्य मिले तो बढ़ता है आत्मविश्वास :- किसान प्यारे लाल कंवर

कोरबा(विश्व परिवार)। जब मेहनत का सही मूल्य मिले, तो आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह कहना हैं छत्तीसगढ़ के पहंदा गांव के किसान प्यारे लाल कंवर के, जिन्होंने भैंसमा धान खरीदी केंद्र में 40 क्विंटल धान का आसानी से विक्रय कर न केवल अपनी मेहनत का सही मूल्य पाया, बल्कि इससे उनका मनोबल भी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि उनके लगभग 3 एकड़ जमीन में परिवार की सहायता से धान की फसल लगाई गई थी। जहां उनकी मेहनत और मौसम की मेहरबानी से फसल का उत्पादन अच्छा हुआ है। ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था होने से उन्होंने घर बैठे ही पहले टोकन के रूप में 40 क्विंटल धान का विक्रय के लिए टोकन प्राप्त किया है। आने वाले दिनों में वे अपनी बची और उपज को भी समिति में विक्रय के लिए आएंगे। किसान प्यारे लाल ने बताया कि पहले जहां किसानों को धान विक्रय के लिए समिति में लंबी कतारों और कई अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता था, वहीं आज छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा केंद्र में धान खरीदी हेतु की गई समुचित व्यवस्था से किसानों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि पहले धान बेचने के लिए उन्हें उपार्जन केंद्रों में अत्याधिक भीड़-भाड़, समय पर टोकन न मिलना जैसे अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब राज्य सरकार ने धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्थित और पारदर्शी प्रक्रिया शुरू की है। जिससे धान विक्रय की व्यवस्था बहुत सरल और समयबद्ध हो गई है। केंद्रों पर धान विक्रय के लिए लंबी कतार में खड़े रहने की परेशानी से छुटकारा मिला है । जिससे उन्होंने बिना किसी परेशानी के अपनी उपज को आसानी से विक्रय कर सही मूल्य प्राप्त किया है। इससे न केवल उन्हें उनकी परिश्रम का उचित दाम मिलता है, बल्कि उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। सरकार द्वारा धान खरीदी हेतु की गई इस प्रकार की समुचित व्यवस्था से किसानों के जीवन में एक नई आशा और उन्हें आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी मिल रहा है।

शताब्दी वर्ष में अटल जी नवीन प्रतिमा भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्थापित किया जाना मेरा सौभाग्य - विजयराज अग्रवाल

गौपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- विजयराज अग्रवाल ने भाजपा छ0ग0प्रदेश के संगटन मंत्री श्री पवन साय जी को धन्यवाद ज्ञापित किया है कि उन्होने शताब्दी वर्ष में अटल जी की नवीन प्रतिमा को प्रदेश कार्यालय में स्थापित कराया है। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाउ ठाकरे परिसर में अटल जी की प्रतिमा को स्थापित किये जाने पर विजयराज अग्रवाल ने कहा कि में सौभाग्यशाली हूं, जो अटल जी की मूर्ति लाने का ये अवसर मुझे प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के अंत्योदय प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक विजयराज अग्रवाल ने ये संकल्प लिया है कि वे माननीय अटल बिहारी बाजपेयी (पूर्व प्रधानमंत्री) की प्रतिमा को छत्तीसगढ़ के प्रत्येक अटल चौक में स्थापित कराएंगे, इसके लिये उनके द्वारा एक अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत् इस वर्ष 2024 में भी जो अटल जी के शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। शताब्दी वर्ष में सभी सम्मानीय सांसदगण, विधायकगण एवं जनप्रतिनिधि प्रेरित होकर इस शताब्दी वर्ष की अवधि में अपने अपने क्षेत्र में निर्मित अटल चौको पर अटल जी की प्रतिमा को स्थापित करेंगें, जो अटल जी के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी इस अभियान को पूर्ण करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य होगा। विजयराज अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त सम्मानीय सांसदगण एवं विधायकगण को पत्र लिख कर ये निवेदन किया है कि अधिक से अधिक अटल जी की प्रतिमा अपने अपने लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के अटल चौक में स्थापित करायेगें।

अप्रैल तक स्वीकृत पीएम आवास के कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जनपद सीईओ : कलेक्टर अजीत वंसत

आवास निर्माण का निरीक्षण करने और आवास मित्रों से सहयोग लेने के दिए निर्देष

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वंसत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सभी जनपद सीईओ के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जनपद सीईओं को निर्देषित किया कि समय-सीमा वाले प्रकरणों का निराकरण षीघ्रता से हो इस दिषा में कार्य करना सुनिष्चित करें। कलेक्टर ने जनपद अतंर्गत मनरेगा, पीएम आवास, पीएम जनमन के कार्य, डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत कार्य के संबंध में समीक्षा करते हुए आवष्यक दिषा निर्देष दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत कार्यों को गुणवत्ता के साथ अप्रैल माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देष दिए। उन्होंने पीएम आवास में उपलब्धि के आधार पर जनपद सीईओं के कार्यों का मूल्यांकन करने के निर्देष जिला पंचायत सीईओ को दिए। जनपद अंतर्गत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत जिले को जो लक्ष्य मिले हैं, उनमें से जो पात्र है, उनका आवास समय-सीमा में पूर्ण होना चाहिए। आवास हेतु पैसे की कोई कमी नहीं है। षासन द्वारा निर्धारित मापदंडो के अनुरूप आवास निर्माण पूर्ण कराने के साथ ही स्टेप बाई स्टेप हितग्राही के खाते में राषि ट्रांसफर करें और आवास मित्रों के सहयोग से आवास का निर्माण गुण्वात्ता के साथ निर्धारित समय अवधि में पूरा कराएं। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत आवासों को पूर्ण कराने और निर्माण कार्य को मौके पर जाकर निरीक्षण करते हुए समय पर राषि जारी करने के निर्देष दिए। कलेक्टर ने डीएमएफ अंतर्गत जर्जर स्कूल भवन के स्थान पर बनाए जा रहे नवीन स्कूल भवन के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देषित किया कि भवन का उद्देष्य विद्यार्थियों को सुविधायुक्त भवन उपलब्ध कराना है इसलिए नवीन सत्र प्रारंभ होने से पूर्व भवन को पूर्ण कराएं। उन्होंने अंतिम किष्त का भुगतान भवन निर्माण पूर्ण होने पर जारी करने के निर्देष दिए। कलेक्टर ने मांग पत्र प्राप्त होने पर राषि जारी करने के निर्देष दिए। कलेक्टर ने विकास कार्यो के ग्राम पंचायतों को जारी राषि में गड़बड़ी करने वाले ग्रामों में वसूली करने और कार्य लंबित होने पर एनओसी नहीं देने के निर्देष दिए। उन्होंने डीएमएफ अंतर्गत ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए दी गई राषि में वसूली की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए समय पर कार्य कराने के निर्देष दिए। कलेक्टर ने वय वंदन योजना अंतर्गत 70 साल व इससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान का लाभ दिलाने के लिए 26 एवं 27 दिसम्बर को लगने वाले षिविर में सभी वंचित हितग्राहियों की उपस्थिति सुनिचित कराने और ग्रामवार अभियान चलाकर सूचित करने के निर्देष दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग सहित सभी जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय देश में गिग वर्कर्स अर्थव्यवस्था की चुनौतियां

2047 तक विकसित भारत की दृष्टि साकार हो सके.....

कम-से-कम 1990 के बाद से रिजर्व बैंक की कमान पेशेवर गवर्नरों के हाथ में रही। कई बार सरकारों ने तब भी उसके दायरे में घुसपैठ की, फिर भी मोटे तौर पर रिजर्व बैंक अपनी स्वायत्तता जताने में सफल रहता था। अब ये कहानी बदल गई है। संजय मल्होत्रा लगातार दूसरे नौकरशाह हैं, जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया गया है। उनकी नियुक्ति के एलान के संकेत मिल गया था कि केंद्र सरकार भविष्य में आरबीआई से कैसी भूमिका की अपेक्षा रखती है। मल्होत्रा ने इस प्रतिष्ठित संस्था का कमान संभालने के तुरंत बाद जो कहा, उससे यह भी जाहिर हो गया है नए गवर्नर किस रूप में अपनी भूमिका देखते हैं। मल्होत्रा ने कहा- %अब जबकि हम अमृत काल में प्रवेश कर रहे हैं, हमारी अर्थव्यवस्था जिस हाल में है, उसे और विसित होने की जरूरत है, ताकि 2047 तक विकसित भारत की दृष्टि साकार हो सके।' लाजिमी है कि ऐसे वक्तव्य आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक रंग लिए दिखें। सेंट्रल बैंकों (जिसे भारत में रिजर्व बैंक कहा जाता है) की क्या भूमिका होना चाहिए, इस पर सोच अक्सर टकराती रही है। मजबूत सरकारें अक्सर उसे अपने एक विभाग के रूप में काम करते देखना चाहती हैं, जबकि बाजार और अर्थव्यवस्था में हित रखने वाले अनेक दूसरे तबकों की अपेक्षा यह होती है कि ये संस्था पेशेवर नजरिए से काम करे। लोकतांत्रिक देशों में सरकारों की अपनी सियासी एवं चुनावी प्राथमिकताएं होती हैं, जो कई बार अर्थव्यवस्था की बड़ी जरूरतों के खिलाफ चली जाती हैं। उस समय सेंट्रल बैंकों से उम्मीद रहती है कि वे शासक दल की जरूरत के मुताबिक चलने के बजाय अर्थव्यवस्था के बुनियादी तकाजों को प्राथमिकता देंगे। कम-से-कम 1990 के बाद से भारत में रिजर्व बैंक की कमान पेशेवर गवर्नरों के हाथ में रही और उन्होंने अपेक्षाकृत स्वायत्त ढंग से फैसले लिए। कई मामलों में सरकारों ने तब भी इस दायरे में घुसपैठ की, फिर भी मोटे तौर पर रिजर्व बैंक अपनी स्वायत्तता जताने में सफल रहता था। इस कारण तब टकराव भी उभरते थे। मगर नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने और शक्तिकांत दास के गवर्नर बनने के बाद से कहानी बदल गई है। इससे सरकार अपनी मौद्रिक एवं वित्तीय नीतियों को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप लागू कर पाई है। अब नए गवर्नर ने जो संकेत दिए हैं, उससे शुरुआती धारणा तो यही बनी है कि यह चलन आगे भी जारी रहेगा।

देश में गिग वर्कर्स अर्थव्यवस्था की चुनौतियां

डा. जयंतीलाल भंडारी

निश्चित रूप से देश में गिग वर्कर्स को यदि सामाजिक सुरक्षा की छतरी प्रदान की जाएगी, तो गिग वर्कर्स के रूप में काम कर रही देश की नई पीढ़ी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ सकेगी और देश इनके अधिकतम योगदान से तेज विकास की डगर पर आगे बढ़ेगा हाल ही में प्रकाशित फोरम फॉर प्रोग्रेसिव गिग वर्कर्स के द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर श्वेतपत्र प्रकाशित किया गया है। इसमें जहां भारत में तेजी से बढ़ती हुई गिग अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ती हुई नौकरियों और चुनौतियों का उल्लेख किया गया है, वहीं कहा गया है कि भारत में गिग अर्थव्यवस्था इस वर्ष 2024 तक 17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढक़र 455 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। श्वेत पत्र के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिग अर्थव्यवस्था का योगदान वर्ष 2030 तक 1.25 प्रतिशत के स्तर पर होगा। गौरतलब है कि देश में सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में कमी आ रही है, लेकिन गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके छलांगे लगाकर बढ़ रहे हैं। गिग अर्थव्यवस्था का मतलब है अनुबंध आधारित या अस्थायी रोजगार (गिग वर्क) वाली अर्थव्यवस्था। गिग अर्थव्यवस्था के तहत गिग वर्कर प्रोजेक्ट दर प्रोजेक्ट आधार पर काम करते हैं और अपनी सेवाएं देते हैं। व्यापक तौर पर कोविड-19 के बाद डिजिटलीकरण के प्रसार ने गिग अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। जहां शहरी क्षेत्रों में गिग वर्कर को अभी तक कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्करिंग, डिलिवरीज जैसे श्रम आधारित और कम योग्यता आधारित कार्यों से जोडक़र देखा जाता रहा है, वहीं अब गिग वर्किंग के मौके व्हाइट कॉलर जॉब यानी ऐसे कामों में भी बढ़ रहे हैं, जहां उच्च स्तर के कौशल और शिक्षा की जरूरत होती है। उच्च स्तर के कौशल और शैक्षणिक योग्यता के साथ काम के ऐसे मौके ई-कॉमर्स, फिनटेक, हेल्थटेक, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे हैं। खास बात यह है कि गिग अर्थव्यवस्था के तहत अब महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं की भागीदारी गिग अर्थव्यवस्था के सभी

क्षेत्रों में दिख रही है। चाहे मार्केटिंग हो या फाइनेंस, महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। इसके साथ ही महिलाएं इस समय फ्रीलांसिंग में भी सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखा रही हैं। उल्लेखनीय है कि गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके बढऩे के संबंध में नीति आयोग के आंकड़े भी महत्वपूर्ण हैं। नीति आयोग के मुताबिक देश में इस समय 77 लाख गिग कर्मी हैं। ऐसे कर्मियों की संख्या तेजी से बढऩे की उम्मीद जताई जा रही है। इसका कारण यह है कि गिग कर्मियों की व्यवस्था फिलहाल केवल शहरी क्षेत्र में ही है और मुख्य रूप से ये सेवा क्षेत्र में सक्रिय हैं। मगर अब इनका दायरा बढ़ेगा तो गिग कर्मियों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। नीति आयोग के आकलन के अनुसार भारत में गिग वर्कर्स की संख्या 2030 तक बढक़र 2.3 करोड़ के लगभग हो जाएगी। देश में टियर-2 और टियर-3 शहरों में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलूरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर और चेन्नई सहित देश के छोटे-बड़े शहरों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष गिग नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई दे रही हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इन दिनों देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और रोजगार से संबंधित विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि देश में गिग अर्थव्यवस्था के कारण विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर में तेजी से कमी आ रही है और रोजगार के नए मौके बढ़ रहे हैं। चूंकि गिग कर्मचारी अक्सर संगठित और असंगठित श्रम के बीच ग्रे जोन में आते हैं, जिससे लाभ और संसाधन प्रभावित होते हैं, इसलिए बड़ी प्लेटफॉर्म कंपनियां तेजी से गिग श्रमिकों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थितियों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसके तहत मानसून के दौरान टिकाऊ रेनकोट प्रदान करने से लेकर आराम करने के क्षेत्र की स्थापना और गर्मी के मौसम के दौरान पानी की सुविधा शामिल हैं। खास तौर से अमेजन, फ्लिपकार्ट, जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां अपने कर्मचारियों के कल्याण के परिप्रेक्ष्य में सक्रिय रूप से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए दिखाई दे रही हैं। फिर भी अभी देश में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा पर पूर्ण रूप से ध्यान दिया जाना होगा। खास तौर से हमें गिग वर्कर्स के लिए भविष्य निधि और पेंशन और बीमा संबंधी कवरेज और लाभों के बारे में सोचना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में नीति आयोग ने 'इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी' शीर्षक से जो रिपोर्ट लॉन्च की है, उसके तहत अन्य बातों के साथ ही गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने की सिफारिश की गई, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। यद्यपि देश में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 अधिनियमित हो चुकी है, लेकिन अभी तक प्रभावी नहीं है। यह संहिता सरकार को जीवन और विकलांगता कवर, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा और क्रेच लाभ प्रदान करने के लिए गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाती है। अब देश में गिग वर्कर्स के लिए ऐसी योजनाएं और नीतियां बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी में आगे बढ़ाना होगी, जिसमें एक फर्म या सरकार के सहयोग द्वारा विशिष्ट रूप से ऐसी डिजाइन हो, जैसी कि सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के तहत परिकल्पित है। दुनिया के कई देशों में गिग वर्कर्स को 'वर्कर्स' के रूप में वर्गीकृत करके जो मॉडल स्थापित किया गया है, उस पर ध्यान दिया जाना होगा। यह वर्गीकरण गिग वर्करों के लिए न्यूनतम वेतन, सवेतन अवकाश, सेवानिवृत्ति लाभ योजना और स्वास्थ्य बीमा सुरक्षित करता है। गिग वर्करों को राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे टैक्स-ब्रेक या स्टार्टअप अनुदान प्रदान किए जा सकते हैं। गिग-प्लेटफॉर्म क्षेत्र की क्षमता का दोहन करने के लिए विशेष रूप से प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए डिजाइन किए गए उत्पादों के माध्यम से क्षेत्रीय और ग्रामीण व्यंजन, स्ट्रीट फूड, स्व-रोजगार व्यक्तियों को कस्बों और शहरों के व्यापक बाजारों में अपनी उपज बेचने के लिए प्लेटफार्म्स से जोड़ा जा सकता है। देश में गिग वर्कर्स को केवल कुछ ही फर्म ऑन-वर्क दुर्घटना बीमा प्रदान करती हैं। इसे सभी नियोक्ताओं द्वारा प्रदान किया जा सकता है। कामगारों को संकटपूर्ण समय या सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने में मदद करना भी कंपनियों द्वारा गंभीरता से लिया जाना होगा। ऐसा करने का एक तरीका यह हो सकता है कि इनके द्वारा न्यूनतम स्वैच्छिक योगदान किया जाए जो एक कॉर्पस फंड में जमा हो। सरकार के द्वारा शिक्षा, वित्तीय सलाह, विधिक कार्य, चिकित्सा या ग्राहक प्रबंधन क्षेत्रों जैसे उच्च-कौशल गिग वर्कर्स के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी होगी, जिससे भारतीय गिग वर्कर्स के लिए वैश्विक बाजारों तक पहुंच को सुगम बनाया जा सके। इसके साथ ही, सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने की जिम्मेदारी साझा करने हेतु निष्पक्ष एवं पारदर्शी तंत्र स्थापित करने के लिए सरकारों, गिग प्लेटफॉर्म और श्रम संगठनों के बीच सहयोग की भी आवश्यकता होगी। निश्चित रूप से देश में गिग वर्कर्स को यदि सामाजिक सुरक्षा की छतरी प्रदान की जाएगी। तो गिग वर्कर्स के रूप में काम कर रही देश की नई पीढ़ी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ सकेगी और देश गिग वर्कर्स के अधिकतम योगदान से तेज विकास की डगर पर आगे बढ़ेगा। हम उम्मीद करें कि गिग अर्थव्यवस्था भारत के भविष्य के कार्यबल और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी व ऐसे रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी।

आलेख

महामना पं मदनमोहन मालवीय जी का व्यक्तित्व हिमालय से भी ऊँचा और सागर से भी विशाल था

ललितपुर । महामना मदनमोहन मालवीय जी की जयंती पर आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए नेहरू महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो. भगवत नारायण शर्मा ने कहा कि प्रखर राष्ट्रभक्त , स्वाधीनता सेनानी , सजग पत्रकार , कुशल अधिवक्ता श्रीमद्भागवत महापुराण एवं वेद-वेदान्तपाठी महामना पं मदनमोहन मालवीय जी का स्मरण करने पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शिल्पी की महानता और उनके द्वारा संस्थापित शिक्षा संस्थान की उस विशालता का चित्र आँखों में नाच उठता है कि जिसकी पक्की सड़कों की लंबाई 30 किमी. से भी ज्यादा है ।आज से लगभग सौ साल पहले इस महान राष्ट्र विभूति ने जन-जन से पराधीन भारत में एक सिरे से दूसरे शहर तक घूम-घूमकर उस समय एक करोड़ साठ लाख का दान लेकर भारत की उत्कृष्ट यूनिवर्सिटी अपने अपराजेय मनोबल से स्वदेशी क्षेत्र में राष्ट्रभाषा हिन्दी माध्यम से खोल दी । यह वि?श्वविद्यालय मात्र अपने भवन , विज्ञान , इन्जीनियरिंग , कला , दर्शन की पढ़ाई-लिखाई से भी ज्यादा इसलिए जाना जाता है कि जैसे 2500 साल पहले काशी से ही बौद्ध धर्म का धर्मचक्र प्रवर्तन चला , वैसे ही 22 साल तक दक्षिण अफ्रीका में संघर्ष चलाकर गांधीजी की सत्य , अहिंसा और सत्याग्रह के अमोघ अस्त्र लेकर जब स्वदेश लौटे तब बी. एच. यू. के शुभारम्भ महोत्सव के मौके पर गाँधीजी ने इतना विप्लवकारी उद्बोधन किया कि जिसे सुनकर अध्यक्षता कर रहा अँग्रेज वायसराय तिलमिला उठा । गांधीजी को बोलने से रोका गया पर जनता एक स्वर में चिल्ला उठी , बोलते रहिए । भारत के स्वाधीनता संग्राम में उक्त क्षण मील का पत्थर साबित हुआ । महामना मालवीय ऐसे हिन्दुत्व के प्रतिपादक थे जो धर्म समभाव का पोषक , सर्वसमावेशी मानव धर्म के रूप में जाना जाता है ।

एसएन मिश्रा का क्यों नहीं छुटता परिवहन विभाग से मोह

अनिल पुरोहित

इस समय मध्य प्रदेश में परिवहन विभाग की प्रतिमाह होने वाली अवैध कमाई को लेकर बडी चर्चा चल रही है परिवहन विभाग की प्रदेश में स्थापित 48 परिवहन से चौकियों से गुजरने वाले वाहन चालकों से प्रतिमाह होने वाली अवैध वसूली की काली कमाई से कुबेरों की काली कमाई को लेकर चर्चाएं खूब चर्चित है इनको लेकर रोज रोज नए नए खुलासे हो रहे हैं,लेकिन इस बात को लेकर कन्ही पर कोई चर्चा नहीं है कि यह वही एस.एन. मिश्रा है जो नगर निगम में रहते हुए एक ठेकेदार से डेट करोड़ की राशि लेते धराए थे उस समय वह मामला अपने साथी पर डालकर अपने को बचा लिया था अवैध कमाई के लिए हमेशा सुर्खियों रहने वाले श्री मिश्रा इस परिवहन विभाग में वर्षों से कभी यहां वहां भटक कर जमे हुए हैं। प्रदेश के भजकलदारम की संस्कृति के लिए चर्चाओं में रहने वाले आईएएस अपने एक साथी आईएएस अधिकारी के साथ वर्षों पूर्व काफी चर्चाओं रहे थे और जो आईएएस इनके साथ चर्चा में रहे थे उनको उच्च न्यायालय की शरण में जाने के बाद राहत मिली थी वही एस.एन. मिश्रा आज भी वर्षों से परिवहन विभाग में किसके संरक्षण में जमे हुए हैं। जिनको लेकर विभाग में तरह तरह की चर्चाएं चटखारे लेकर चल रही हैं! वैसे देश के आईएएस को लेकर हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन आईएएस के बारे भारत के सबसे बडे सदन में दो बार भाषण दे चुके है यही नही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने तो लोकसभा में दिए अपने भाषणों में देश के इन आईएएसों को बाबुओं की फौज तक कहते हुए लोकसभा में कहा था कि हमने यह आईएएस(बाबुओं) की फौज को पाल रखा हैं यह बाबुओं की फौज कुछ भी कर लेती यह फौज हेलीकाप्टर चला लेती है,यह हवाई जहाज भी चला लेते हैं,अपने लोकसभा में दिए भाषण में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा था कि यह आईएएस(बाबुओं) फौज हमारे देश के फटलाईजर के कारखाने चला लेते हैं,यह (बाबुओं)की हमारी फौज हर काम कर लेती है, हमारे मध्यप्रदेश में यह आईएएस (बाबुओं) की फौज क्या क्या कारनामे कर रही है इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को होगी यह बजह है कि हमारे मध्यप्रदेश में जहाँ प्रदेश के कुबेरों की काली कमाई को इस समय खूब चर्चाएं मंत्रालय से लेकर गली कुचों से लेकर प्रदेश ही नहीं,देशभर में सुर्खियों में हो एसी स्थिति में विभाग के उन कुबेरों की चर्चा तो खूब हो रही है जो इस अवैध कमाई बाले विभाग में चंद्र बर्षो से रह कर अपनी काली कमाई के झंडे गाडकर,मध्यप्रदेश में अवैध कमाई के मामले में इतिहास रचा,हालांकि इस तरह की अवैध के लिए मध्यप्रदेश ने पहली बार मुख्यमंत्री मोहन यादव के शासन काल में इतिहास नहीं बनाया इस तरह की काली कमाई के खुलासे के मामले में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के शासन काल में अवैध वसूली की काली कमाई का खुलासा उस समय भी हुआ था जब दतिया जिले की जिलाध्यक्ष एवं उसी जिले की प्रभारी सचिव की गाडी के पहिले शिवपुरी जिले के सिकंदरा परिवहन चौकी पर जाकर अचानक थम गये थे उन दोनों आईएएस की गाडियों के पहिये आचनक थमने के बाद सिकंदरा परिवहन चौकी पर जिस तरह की अफरा तफरी का माहौल उस समय लोगों ने देखा वह आज भी उस माहौल को याद करते हैं वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि उस समय उन तत्कालीन आईएएसों की गाड़ी के पहिये आचनक थमने के बाद सिकंदरा परिवहन चौकी पर रखे गमलों एवं अखबार की रद्दिओं ने किस तरह से नोट उगलना शुरू हुआ था,उसके बाद यह दुसरा अवसर है जो भाजपा की डंबल इंजन की उस सरकार में जिसकी पार्टी के प्रधानमंत्री श्री मोदी जब से इस देश की सत्ता की कमान संभाली तब से लेकर आज शायद ऐसा कोई अवसर जब उन्होंने इस देश की जनता को भ्रष्टाचार के खिलाफ भाषण नहीं दिया हो,मगर देश मे भ्रष्टाचार क्या हालत है कह नही सकते मगर इस हमारे मध्यप्रदेश का तो यह इतिहास रहा है कि भाजपा की सत्ता की कमान समांतर ही इस प्रदेश के मुख्यमंत्री की धर्म पत्नी ने अपनी पहचान तुम कर डंपर खरीदने का इतिहास वनाया था,इसके बाद जब देश में नोटबंदी का मामला हुआ था,उसके बाद श्री मोदी सरकार ने पुराने नोट बंद करने के बाद देश में नए नोट चला ए थे तो उसके बाद जो रिश्वतखोरी का शायद देश में पहला मामला सामने आया था वह मध्यप्रदेश से ही था,आज जब हमारे मध्यप्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार अपने एक वर्ष से कुछ दिन पूरे कर नये वर्ष से अपनी लोकप्रिय एवं जनप्रिय सरकार के दुसरे में प्रवेश करने जारही हे उस सरकार के कार्यकाल का लोकायुक्त एवं जांच एजेन्सियां की छापेमारी का इतिहास उठाकर देखलो तो शायद ऐसा कोई दिन निकला हो जिसमें प्रदेश भर में कोई पटवारी,आरई या तहसीलदार व अन्य अधिकारी को रिश्वतखोरी में नहीं दबोचा हो इन पकडे गए एक वर्ष में श्री मोहन यादव की सरकार में भ्रस्टाचार का इतिहास लिखने बालो ने एक वर्ष में रिश्वतखोरी से करीब एक करोड़ से अधिक रिश्वतखोरी करने का इतिहास रचा जो सरकारी अधिकारियों ने नहीं बल्कि जिस महाकाल के नगर से हमारे मुख्यमंत्री जी आते हैं उस महाकाल की नगरी में भी भ्रष्टाचार के नए नए इतिहास रचने में कोई कसर नही छोडी है,यही भ्रष्टाचार के इतिहास बनाने में परिवहन विभाग में वर्षों से एस.एन. मिश्रा अपनी भजकलदारम वाली नीति के बाद भी पाक साफ बने हुए वर्षों से धूनी रमाए बैठे हुए हैं जिसको लेकर तरह तरह चर्चाएं परिवहन विभाग से लेकर परिवहन विभाग से जुड़े लोगों में चटखारे लेकर चल रही हैं? इन परिस्थितियों के बावजूद हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी के शासन में भाजपा और उसकी सरकार में उठा पटक चल रही है उसे देखने समझने वाले राजनीति के जानकार यह मानकर चल रहे हैं भाजपाई ही आपस में झगड़ा कांग्रेस को ही मुद्दे दे रहे हैं?

उस्ताद जाकिर हुसैन अपने प्रशंसकों को आह भरता छोड़ गए

आलोक पराड़कर

उस्ताद जाकिर हुसैन को भारतीय शास्त्रीय संगीत का सुपरस्टॉर कहना गलत न होगा। साधक तो वे तबला के थे, जिसे मुख्यत: संगत वाद्य ही माना गया है, लेकिन उनकी लोकप्रियता सब पर भारी थी। वे भारतीय शास्त्रीय संगीत के संभवत: सर्वाधिक पारिश्रमिक लेने वाले कलाकार थे, उनके कार्यक्रमों के लिए आयोजकों को लंबा इंतजार करना होता था, उनका आकर्षण ऐसा था कि फिल्मों और विज्ञापनों में भी उन्हें लिया जाता रहा। वे विश्व में भारत के सांस्कृतिक राजदूत भी थे और प्रख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के बाद वे ही थे जिन्होंने विभिन्न देशों में भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाया और एक बड़ा प्रशंसक वर्ग तैयार किया। ग्रैमी' जैसे प्रतिष्ठित अवार्ड में भी उन्होंने भारतीयता का परचम लहराया, लेकिन लोकप्रियता के शिखर पर होने और अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद उनके काम में कहीं समझौता नहीं था। वास्तव में उनमें नाम और काम का संतुलन कुछ वैसा ही था जैसा उनके तबले में बाएं और दाएं का। उनकी उपस्थिति जहां समारोहों की सफलता का पर्याय थी, वहीं उनकी संगत से मुख्य कलाकार का कार्यक्रम भी निखर उठता था। लंबे समय की सफलता उनकी विनम्रता को बदल नहीं सकी थी। हंसमुख, हाजिर जवाब और हरदिल अजीज उस्ताद जाकिर हुसैन अपने व्यक्तित्व में भी कृतित्व जैसी खूबसूरती जीवनपर्यंत कायम रख सके। तबले को मुख्यत: संगत का वाद्य ही माना गया है, लेकिन उस्ताद जाकिर हुसैन उन कुछ तबला वादकों में थे जिन्होंने इसे एकल और मुख्य वाद्य के रूप में भी स्थापित किया। वे जब लोकप्रिय होने लगे तो पिता के साथ उनकी जुगलबंदी का चलन खूब था। पिता-पुत्र का तबला वादन खूब पसंद किया जाता था। उस्ताद जाकिर हुसैन के एकल वादन की खास बात यह भी होती कि उन्होंने अपने वादन को शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञों के योग्य ही नहीं बनाया बल्कि इसे आम लोगों के लिए भी रुचिकर बना दिया था।

हिमाचल भी याद करेगा ओमप्रकाश चौटाला को

प्रो. प्रेम कुमार धूमल

चौटाला जी बोले मुख्यमंत्री जी, बात क्या है, हमने तो कुछ ऐसा नहीं किया। मैंने उन्हें परिवहन मंत्री के कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने तुरंत कहा, चिंता मत करो, हमारा मंत्री आएगा आपके पास, चाय पीएगा और वापस आ जाएगा, आपकी बसें जैसे चलती हैं वैसे ही चलती रहेंगी। उन्होंने अपने मंत्री को शिमला पहुंचने से पहले इस निर्णय के बारे में सूचित कर दिया और मंत्री महोदय मुझे मिलकर वापस चले गए। ऐसी अनेक घटनाएं हैं जिनसे चौटाला जी के बड़प्पन का पता चलता है। वह विनम्र स्वभाव के थे। मैं उन्हें अपनी भावभीनी आदरांजलि अर्पित करता हूं ओम प्रकाश चौटाला जी के निधन से राजनीति के एक अध्याय का पटाक्षेप हो गया। आप उनकी राजनीति को पसंद या नापसंद कर सकते थे, पर अनदेखा नहीं कर सकते। हरियाणा के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। पंजाब और हरियाणा हिमाचल प्रदेश के पड़ोस के दो महत्वपूर्ण राज्य हैं। संयोग से दस वर्ष तक जब मैं हिमाचल का मुख्यमंत्री रहा, तब अधिकतर समय पंजाब में सरदार प्रकाश सिंह बादल और हरियाणा में श्री ओम प्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री रहे। दोनों बड़े कदावर नेता थे और निर्णय लेने में सक्षम थे। पंजाब और हरियाणा हिमाचल की अपेक्षा दोनों बड़े राज्य हैं और मैं सरदार बादल जी का और श्री चौटाला जी का बड़े भाईयों की तरह आदर करता था और हमारे व्यक्तिगत सम्बन्धों का हमारे राज्यों की अंतरराज्यीय समस्याओं के समाधान में भी लाभ मिलता था। आज श्री चौटाला को श्रद्धांजलि देते हुए मैं कुछ घटनाओं का उल्लेख करना चाहूंगा जो उनके स्नेह को प्रकट करती हैं। श्री चौटाला जी को मैं पहली बार भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय 11, अशोक रोड, नई दिल्ली में मिला था। वह दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कृष्ण लाल शर्मा जी को मिलने आए थे। शर्मा जी ने मेरा परिचय उनसे करवाया। उसके बाद लगातार उनका स्नेह मिलता रहा। सरदार प्रकाश सिंह बादल पटियाला जेल से रिहा होकर चंडीगढ़ आए थे। मैं उन्हें मिलने गया, बादल साहब घर पर नहीं थे। सरदार सुखबीर सिंह बादल ने बताया कि वह चौटाला जी को मिलने गए हैं। उन्होंने बादल साहब को फोन किया और कहा कि धूमल जी मिलने आए हैं, चौटाला जी ने बादल साहब से फोन ले लिया और कहा मेरी बात धूमल जी से करवाओ। मुझे फोन पर आमन्त्रित किया कि उनके निवास पर आ जाऊं ताकि बादल साहब और चौटाला जी दोनों मिल जाएं। मैं चौटाला जी के निवास पर चला गया। वहां पर उन्होंने बड़े स्नेह से स्वागत किया और हम

सब बैठ गए। रात्रिभोज वहीं पर किया। बाजरे की रोटी, सरसों का साग, मक्खन और स्वीट डिश के तौर पर गुड़ खाकर सबको बहुत आनंद आया और घर गांव का माहौल था। हमारे यहां टांडा में मेडिकल कॉलेज नया नया खुला था। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (भारतीय चिकित्सा परिषद) के निरीक्षण की सूचना मिली। एक विषय के विशेषज्ञ डॉक्टर व प्रोफेसर हमारे पास नहीं थे। मुझे बताया गया कि हरियाणा में इस विषय के वरिष्ठ प्रोफेसर हैं, अगर चौटाला साहब से बात हो तो उनसे प्रार्थना की जानी चाहिए। मैंने फोन किया, चौटाला साहब प्रदेश के टूर पर थे। उन्हें संदेश भेजा गया। आधे घंटे में फोन आ गया। चौटाला जी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा, 'कहिए मुख्यमंत्री जी क्या आदेश है?' मैंने कहा भाई साहब आदेश नहीं, प्रार्थना है, और अपनी सारी समस्या उन्हें बताई। उन्होंने कहा ठीक है, अभी साढ़े चार बजे हैं। हम आज पांच बजे से पहले डॉक्टर को रिलीव कर देंगे। कल सवेरे वह आपके पास ज्वाइन कर लेगा। मैंने उनका कोटि-कोटि धन्यवाद किया और हमारी समस्या का समाधान हो गया। एक बार हमारे परिवहन सचिव मेरे पास हड़बड़ाहट में आए और कहा कि बड़ी गंभीर समस्या आ गई है, हरियाणा के परिवहन मंत्री आ रहे हैं और हमारी बसें उनके ज्यादा क्षेत्र में चलती हैं और उनकी हमारे कम क्षेत्र में। समता के नियम के तहत हमारी कई बसें बंद हो जाएंगी। मैंने चौटाला साहब से फोन पर बात की और कहा कि पंजाब और हरियाणा बड़े भाई हैं और हिमाचल छोटा भाई है। आप दोनों के पास हवाई सेवा है, रेल सेवा है, पर हमारे पास तो सडक़ परिवहन ही है, जोकि हमारी जीवन रेखा है। क्या छोटे भाई को तंग करने की ठानी है? चौटाला जी बोले मुख्यमंत्री जी, बात क्या है, हमने तो कुछ ऐसा नहीं किया। मैंने उन्हें परिवहन मंत्री के कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने तुरंत कहा, चिंता मत करो, हमारा मंत्री आएगा आपके पास, चाय पीएगा और वापस आ जाएगा, आपकी बसें जैसे चलती हैं वैसे ही चलती रहेंगी। उन्होंने अपने मंत्री को शिमला पहुंचने से पहले इस निर्णय के बारे में सूचित कर दिया और मंत्री महोदय मुझे मिलकर वापस चले गए। एक बार किसी औद्योगिक संस्थान के विरुद्ध चौटाला सरकार ने सख्त कार्रवाई कर दी, वो बहुत तंग हुए। एक बड़े नेता ने मुझे कहा कि बहुत से लोग सरकार से निवेदन कर चुके हैं, पर मुख्यमंत्री नहीं मान रहे, हमने सुना है कि चौटाला जी आपकी बात मानते हैं, आप बात करो। मैंने कहा छोटे भाई के तौर पर अपने प्रदेश के हित में उनसे प्रार्थना करता हूं और उनका बड़प्पन है कि वो मेरी बात मान लेते हैं। मैं आपकी बात उन तक पहुंचा दूंगा, राहत देना न देना उन पर निर्भर करता है। मैंने रात को चौटाला जी को फोन किया और सारी बात बता कर उन्हें कहा कि जो उचित समझें वो निर्णय लें। उन्होंने बात सुनी और खामोशी हो गई।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

भगवान पारसनाथ एवं चंद्रप्रभ स्वामी का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया

तालबेहट/ललितपुर (विश्व परिवार)। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र पावागिरि सहित कसबे के दोनों जैन मंदिरों में गुरुवार को जैन धर्म के 8वें तीर्थंकर चंद्रप्रभ स्वामी व 23वें तीर्थंकर पारसनाथ स्वामी का जन्म एवं तप कल्याणक धूमधाम से मनाया। सुबह मंदिरों में धर्माबिलंबियों की भारी भीड़ उमड़ी एवं अनिल जैन के नेतृत्व में अभिषेक शांतिधारा पूजन विधान किया। रात्रि में महाआरती एवं पालना झूला के कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने पुण्यार्जन किया। जिसमें राजकुमार, चौधरी सनत कुमार, महेंद्र जैन, देवेंद्र बसार, अरुण मोदी, यशपाल जैन, प्रकाशचंद्र, सुनील जैन, प्रवीन कुमार, शैलेश जैन, अजय अज्जू, राकेश जैन, मनोज कुमार, मेघराज जैन, चक्रेश कुमार, रीतेश कुमार, सुधीर चौधरी, कमलेश सिर्सी, हितेंद्र कुमार, प्रीतेश पवैया, वीरेंद्र जैन, कपिल मोदी, श्रेयांश जैन, प्रदीप एड, विकास जैन, पंकज भंडारी, जितेंद्र कुमार, धर्णेन्द्र जैन, आकाश चौधरी, आदेश मोदी, अनुराग, अभिषेक मिठया, आशीष कुमार, प्रिंस जैन, मुकुल, पारस, वैभव, अंकित, शुभम, सिद्धार्थ, अर्पण सहित सकल दिगम्बर जैन समाज का सहयोग रहा। वहीं पावागिरि सिद्ध क्षेत्र के मूलनायक चमत्कारी बाबा पारसनाथ स्वामी एवं चौबीसी के मूलनायक चंद्रप्रभ स्वामी के महामस्तिकभिषेक शांतिधारा महाआरती एवं पूजन विधान का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें आनंद जैन, सुशील मोदी पवा, सोहनलाल बगेरिया परिवार, स्वर्णिम सालगीया गोल्ड परिवार प्रतापगढ़, मनोज जैन ग्वालियर, सुभाषचंद जैन, अमित जैन कड़ेसरा, सुरेंद्र कुमार, अरविन्द जैन, सौरभ जैन आदि का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन मंत्री जयकुमार जैन कंधारी एवं आभार व्यक्त उपाध्यक्ष विशाल जैन पवा ने किया।

राजधानी दिल्ली में गूंजा भावलिंगी संत द्वारा सहज सिद्धि प्राप्त श्री शान्ति भक्ति का महान अतिशय

दिल्ली (विश्व परिवार)। सिद्धक्षेत्र अहार जी की धरा पर 25 दिसम्बर 2015 का वह पावन दिन था जब वर्तमान के संघ शिरोमणि भावलिंगी संत

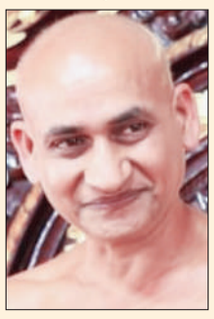

श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज को पंचमकाल की अतिदुर्लभतम श्रीशान्ति भक्ति की सिद्धि अपनी विशुद्ध अनुपम साधना से सहज ही प्राप्त हो गयी थी। साधना और तपश्चरण की पराकाष्ठा के फलस्वरूप प्राप्त हुयी श्री शान्ति भक्ति की सिद्धि के महान प्रभाव से आचार्य श्री की संघस्थ शिष्या बाल ब्रह्मचारिणी विशु दीदी जो वर्तमान में आचार्य श्री के पादमूल आर्यिका रत्न श्री विमर्शिता श्री माताजी के रूप में साधनारत हैं। सन् 2015 के दिसम्बर माह में जब विशु दीदी असाध्य रोग से ग्रसित थीं और विश्व के प्रसिद्ध डाक्टर्स ने भी यह कहकर अपने हाथ खड़े कर लिए थे कि कोई कोई रोग ऐसे होते हैं जिनका विज्ञान के पास भी कोई समाधान नहीं होरा, अब दीदी कभी स्वस्थ न हो सकेंगीं। ऐसी विकट पस्थिति में भी विशु दीदी ने अपनी अकंप श्रद्धा का श्रेष्ठ परिचय प्रस्तुत करते हुए डॉक्टर्स से कहा था- आप भले ही मुझे स्वस्थ नहीं कर पाये किन्तु मेरे गुरुदेव मुझे अवश्य ठीक करेंगे।

25 दिसम्बर 2015 का वह अतिशयकारी दिन था जब वर्तमान के भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज सिद्ध क्षेत्र ने अपनी असाध्य रोग ग्रसित शिष्या को अतिशयकारी श्री शान्ति भक्ति अहार जी में का पाठ सुनाकर उन्हें रोग मुक्त कर पुन: मोक्षमार्ग पर अग्रसर किया था। राजधानी दिल्ली को परम वन्दनीय आचार्य श्री के चरणों में बैठकर 10 वाँ श्री शान्ति भक्ति सिद्धि दिवस मनाने को प्राप्त हुआ। राजधानी के कृष्णानगर स्थित रत्नदेवी विद्यालय प्रांगण में बृहद स्तर पर मध्याह बेला में श्री शान्तिनाथ दियाचंना समाप्त की गयी। धर्मालगा श्रावकों के 51 विशिष्ट परिवारों द्वारा 51 माँड्ने एवं एक वृहद मांडना बनाकर यह 'शान्तिनाय दिव्यार्चना हजारों की संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं के बीच आचार्य संघ के पादमूल में सानन्द-हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुयी।

महाराष्ट्र मंडल में सादगीपूर्ण मनाई गई अटल शताब्दी जयंती

देश रहना चाहिए, देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए : काले

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र मंडल में बुधवार की शाम छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी सादगीपूर्ण मनाई गई। अटल बिहारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण करने के साथ अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने कहा कि अटल विहारी वाजपेई की सोच हमेशा से ही राष्ट्रवादी रही है। उन्होंने बतौर प्रधानमंत्री संसद में कहा था कि सरकारें आएंगी- जाएंगी, पार्टियां बनेंगी- बिगड़ेंगी मगर यह देश रहना चाहिए। इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए। मंडल की वरिष्ठ सेवा समिति के प्रमुख दीपक पात्रीकर ने कहा कि अटल बिहारी की बातें, उनके विचार, उनकी कविताएं राष्ट्र प्रथम के भाव से ओतप्रोत हैं। उनसे सादगीपूर्ण जीवन के साथ राष्ट्रवाद का पाठ सीखा जा सकता है। इस मौके पर बृहन्महाराष्ट्र मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शेखर रावसाहब अमीन, संत ज्ञानेश्वर स्कूल के प्रभारी परितोष डोनगांवकर, सचेतक रविंद्र ठेंगड़ी सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा रायपुर में प्रबंध समिति गठन हेतु शेष 5 सदस्यों का चयन

रायपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा रायपुर में प्रबंध समिति गठन हेतु शेष 5 सदस्यों का चयन निर्वाचन के माध्यम से किये जाने हेतु साधारण सभा की बैठक दिनांक 07/01/2025, समय प्रात: 11 बजे से, स्थान- रेडक्रॉस सभाकक्ष, कलेक्टर परिसर रायपुर में आयोजित किया गया है। रेडक्रॉस, जिला शाखा रायपुर द्वारा दिनांक 07/12/2024 को प्रकाशित सूची अनुसार, संरक्षक, उपसंरक्षक एवं आजीवन सदस्यों, से निवेदन है कि उक्त बैठक में निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होने का कष्ट करेंगे।

महापुरुषों ने जो भी कार्य किया वह अपने लिये भी किया और परमार्थ के लिये भी किया : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

विदिशा (विश्व परिवार)। महापुरुषों ने जो भी कार्य किया वह अपने लिये भी किया और परमार्थ के लिये भी किया, जो अपने लिये किया जाता है वह कुछ समय पश्चात नष्ट हो जाता है, लेकिन जो परमार्थ के लिये किया जाता है वह अजर अमर तथा अविनाशी होता है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने दिगम्बर जैन मंदिर नसिया में 108 आधुनिक कमरों वाले छात्रावास के सिलान्यास समोराह के अवसर पर व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि अपने निर्वाहन के लिये तो पशु पक्षी भी अपने घर बना लेते है लेकिन कुछ ही लोग होते है जो अपने घर के साथ साथ जन कल्याण कारी कार्य सामाजिक हित के कार्यों को करते है आज से लगभग 116 वर्ष सर सेठ हुकमचंद कासलीवाल ने जो यंहा पर जिनमंदिर एवं छात्रावास का निर्माण कर नसिया नाम दिया निश्चित करके सेठ सहाव की यह उत्कृष्ट भावना थी उक्त छात्रावास एवं जिनालय के माध्यम से न जाने कितने जीवों का उद्धार हुआ होगा समय काल की अपनी एक मर्यादा है पिछले दिनों चातुर्मास के अवसर पर गुणायतन परिवार द्वारा इंदौर महानगर में आधुनिक छात्रावास बनाने का संकल्प पारित किया गया था एवं उचित जगह की तलाश की जा रही थी धीरेन्द्र जी कासलीवाल ने नसिया जी में जो छात्रावास पूर्व से संचालित था उसे पुनर्निर्माण करने का तथा उसे गुणायतन द्वारा संचालित करने का बीड़ा उठाया वह स्वागतयोग्य है कासलीवाल परिवार के सभी सदस्यों को बहूत बहूत आशीर्वाद प्रदान किया। मुनि श्री ने कहा कि आज भगवान पारसनाथ स्वामी का जन्मकल्याणक है और यंहा के मूलनायक भी भगवान पारसनाथ ही है यह कार्य शायद आज के दिन ही होंना निश्चित था। उन्होंने कासलीवाल परिवार को गुणायतन का शिरोमणि संरक्षक मनोनीत करते हुये कहा कि विगत दिनों गुणायतन ने समाज को आगे बडाने के लिये पांच महानगरों में छात्रावास बनाने का तथा जनकल्याण कारी कार्यों को करने का जो बीड़ा उठाया है उस कड़ी में नसिया जी का छात्रावास का सिलान्यास महत्वपूर्ण कदम है।आगामी समय में जो छात्र यंहा पर रहकर अपनी शिक्षा को पूर्ण करेंगे इससे जिनधर्म की भी प्रभावना होगी। -**अविनाश जैन**

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज और उनके शिष्यों के मंगल मिलन के साक्षी बन नांदणी के भक्तजन भावविभोर हो उठे : कार्याध्यक्ष श्री सागर संभुशेटे

नांदणी/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। जयदु जिणिंदो महावीरों। नांदणी पंचकल्याणक महामहोत्सव के कार्याध्यक्ष श्री सागर संभुशेटे जी ने बताया कि-26 दिसम्बर 2024 को वह शुभ दिन आया जिसका नांदणी निवासी पलक पांवड़े बिछा कर, बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 26 दिसम्बर का यह दिन निश्चित ही, इस ऐतिहासिक नगरी के जैन समाज के इतिहास में दर्ज होगा। इस शुभ दिन परम पूज्य आचार्य भगवन विशुद्ध सागर जी महाराज जी ससंघ और उन्ही के संघ के दो उपसंघ का मंगल प्रवेश और संतो का ऐतिहासिक मंगल मिलन भी नांदणी की धरा पर हुआ।

ऐसा तीव्र पुण्य उदय और परम सौभाग्य नांदणी जैन समाज का रहा आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर जी महामुनिराज के शिष्यों के मंगल मिलन के क्षण साक्षी बन, नांदणी के भक्तजन भावविभोर हो उठे। यह भव्य दृश्य, वहाँ कैमरों में ही कैद हुआ और वहाँ उपस्थित जनसमुदाय की नेत्र चक्षुओं में भी सदा के लिए कैद हो गए। नांदणी के जैन और अजैन समाज के जनमानस के चेहरे भी प्रसन्नता और खुशी से तरोताजा होकर खिल उठे हैं क्योंकि अध्यात्मिक वर्षा करने के लिए और ऐतिहासिक भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामाहोत्सव और मस्तकाभिषेक के लिए इस नांदणी नगर में आचार्य भगवन विशुद्धसागर महाराज जी सहित 29 संतों का आगमन हुआ है। स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी नांदणी के मार्गदर्शन से आचार्य भगवन विशुद्धसागर महाराज जी के मंगल प्रवेश पर सब कुछ भव्य ही नजर आ रहा था। सभी ऋषिराजों के साथ चलता हुआ विशाल जनसमूह, जलूस, झांकियां, अलग-अलग ड्रेस कोड में नांदणी के विभिन्न मण्डल, रंग-बिरंगे पोस्टर, ध्वजायें, बैंड- बाजे, नगाड़े, मंगल कलश के साथ महिलाएं, नमोस्तु शासन जयवंत हो के जयकारे लगाते भक्तजन, इस तरह के सुन्दर दृश्यों को देखकर, ऐसा आभास हो रहा था कि जैसे ये नांदणी नगरी नहीं बल्कि कोई देवनगरी है, जहाँ पर देवगण हर्षोल्लास के साथ मंगल प्रवेश का उत्सव मना रहे हों। जगह जगह पर आचार्य भगवन विशुद्धसागर जी महाराज और मुनिराज के पाद प्रक्षालन का दृश्य भक्तों के हृदय को उत्साह से भर रहा था। -**अभिषेक अशोक पाटील**

बड़ा मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ एवं चंद्रप्रभु का जन्म व तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में आज दिनाँक 26/12/2024 तिथि = पौष कृष्ण एकादशी, 2551 दिन = वृहस्पतिवार को जैन धर्म के 8 वे तीर्थंकर श्री चन्द्रप्रभु भगवान व 23 वे तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान का जन्म, तप कल्याणक महोत्सव बड़े धूम धाम से हर्षोल्लास के साथ भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि आज सुबह से ही बड़ा मंदिर के सभी जिनालय में श्रावकों की भिड़ देखने को मिली। आज सुबह 8 बजे सभी उपस्थित श्रावकों ने शुद्ध धोती दुप्पटा धारण कर जिनालय की मूलनायक एवं पार्श्वनाथ जी की बेदी के समक्ष श्री चंद्रप्रभु भगवान एवं श्री पार्श्वनाथ भगवान को पाण्डुक शीला में विराजमान कर रजत कलशों द्वारा प्रासुक जल से भगवान का जलाभिषेक मंत्रोच्चार के साथ किया। आज की सुख शांति समृद्धि प्रदाता चमत्कारिक शांति धारा करने का सौभाग्य पूर्व अध्यक्ष संजय जैन नायक को प्राप्त हुआ। आज की शांति धारा का शुद्ध वाचन उपाध्यक्ष श्रद्धेय जैन विक्की द्वारा किया गया। शांति धारा उपरांत सभी ने भक्तिभाव से भगवान की मंगलमय आरती की। तत्पश्चात सभी ने अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य से भगवान का पूजन कर ? ह्रीं पौषकृष्ण-एकादश्यां जन्म कल्याणक-प्राप्ताय श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा मंत्र के साथ अर्घ्य समर्पित किए। अंत में विसर्जन पाठ पढ़ कर पूजन विसर्जन किया गया। आज के कार्यकम में विशेष रूप से पूर्व अध्यक्ष संजय जैन नायक ने वर्तमान अध्यक्ष यशवंत जैन, उपाध्यक्ष श्रद्धेय जैन विक्की, पूर्व मैनेजिंग ट्रस्टी देव कुमार जैन, उपाध्यक्ष नीरज जैन, प्रवीण जैन मामा जी, प्रणीत जैन, आदि उपस्थित थे।

23 वे तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान का जीवन परिचय- जैन पुराणों के अनुसार तीर्थंकर बनने के लिए पार्श्वनाथ को पूरे 9 जन्म लेने पड़े थे। पूर्व जन्म के संचित पुण्यों और 10वें जन्म के तप के फलत: ही वे 23वें तीर्थंकर बने। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्म आज से लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में हुआ था। पिता का नाम अश्वसेन और माता का नाम वामादेवी था। अश्वसेन वाराणसी के राजा थे। दिगंबर धर्म के मतावलंबियों के अनुसार पार्श्वनाथ बाल ब्रह्मचारी थे, बचपन में पार्श्वनाथ का जीवन राजसी वैभव और ठाट-बाट में व्यतीत हुआ। जब उनकी उम्र 16 वर्ष की हुई और वे एक दिन वन भ्रमण कर रहे थे, तभी उनकी दृष्टि एक तपस्वी पर पड़ी, जो कुल्हाड़ी से एक वृक्ष पर प्रहार कर रहा था।

यह दृश्य देखकर पार्श्वनाथ सहज ही चीख उठे और बोले- 'ठहरो! उन निरीह जीवों को मत मारो।' उस तपस्वी का नाम महीपाल था। अपनी पत्नी की मृत्यु के दुख में वह साधु बन गया था। वह क्रोध से पार्श्वनाथ की ओर पलटा और कहा- किसे मार रहा हूं मैं? देखते नहीं, मैं तो तप के लिए लकड़ी काट रहा हूं।

पार्श्वनाथ ने व्यथित स्वर में कहा- लेकिन उस वृक्ष पर नाग-नागिन का जोड़ा है। महीपाल ने तिरस्कारपूर्वक कहा- तू क्या त्रिकालदर्शी है लड़केज. और पुन: वृक्ष पर वार करने लगा। तभी वृक्ष के चिरे तने से छटपटाता, रक्त से नहाया हुआ नाग-नागिन का एक जोड़ा बाहर निकला।

रायपुर के सीनियर साइकिलिस्ट सुरेश दुआ ने 93 घंटों में किया साइकिल से 1200 किलोमीटर का सफर

रायपुर (विश्व परिवार)। दिल्ली रैडोन्नेयर द्वारा आयोजित ष्ट्यक्र2024 (क्लाइंब का बाप) 1200 किलोमीटर की साइकिलिंग इवेंट को रायपुर शहर के साइकिलिस्ट सुरेश दुआ ने 93 घंटे में पूरा किया।

इस इवेंट को दिल्ली रैडोन्नेयर ने 6 दिसंबर 2024 को आयोजित किया था। इस इवेंट में पूरे देश से 33 साइकिलिस्ट एवं विदेश से 1 साइकिलिस्ट ने भाग लिया। इस इवेंट को 14 साइकिलिस्ट ने पूरा किया। इस 1200 किलोमीटर के इवेंट में तयशुदा रूट मैं साइकिलिंग करनी होती है, जो दिल्ली से प्रारंभ होकर पानीपत, कुरुक्षेत्र, अम्बाला, जिरखपुर, धर्मपुर, पिंजौर, बद्दी, किरतपुर, आंनदपुर साहिब, ऊना, चिंतपूर्णी, काँगड़ा, धर्मशाला, मैक्लोडगंज से होते हुए पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) तक 600 किलोमीटर और फिर इसी रूट से वापस दिल्ली मैं समाप्त हुई थी। 1200 किलोमीटर के साइकिलिंग इवेंट मैं करीब 8000 मीटर एलिवेशन (ऊंचाई) था और क्योंकि यह कार्यक्रम दिसंबर मैं था तो इस रूट मैं ठंढ भी थी। सुरेश दुआ ने बताया कि इस इवेंट मैं ठंड (करीब 0-6 डिग्री तापमान) के साथ शीत लहर और पहाड़ियां भी थी जिससे उन्हें साईकिल चलाने में अनेक दिक्कतो का सामना भी करना पड़ा, पर उन्होंने हार नहीं मानी और अपना चैलेंज पूरा किया।

इस इवेंट की लिए सुरेश दुआ ने रायपुर शहर से 100 किलोमीटर दूर साल्हेवारा की घाटी में साईकिल चलाने का अभ्यास भी किया था, इसलिए हिमाचल प्रदेश के सर्द वातावरण में और पहाड़ों मैं साइकिलिंग कर पाएं। इसके पहले सुरेश दुआ ने 6 बार सुपर रैडोन्नेयर (200 चरू 300 चरू 400 KM, 600 KM) और एक बार 1000 किलोमीटर (65 घंटे) का इवेंट भी पूरा कर चुके हैं। सुरेश दुआ पिछले 6 वर्षो से रोजाना साइकिलिंग करते हैं, अब तक लगभग 68000 किलोमीटर साइक्लिंग कर चुके है। रायपुर शहर के सभी साईकिल ग्रुप के राइडरों ने दुआ सर के इस शानदार कार्य के लिए केक काट कर बधाई दी एवं सेलिब्रेशन किया।

मुख्यमंत्री साय से कंवर समाज ने नगर में सामुदायिक भवन की मांग, बगिया में मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बुधवार को अपने निज निवास बगिया पहुंचें थे। इस दौरान कंवर आदिवासी विकास समिति के दर्जनों लोगों ने उनसे मुलाकात कर जिला मुख्यालय में सामुदायिक भवन की मांग रखी। इस

दौरान उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय भी उपस्थित थीं। वहीं समाज के लोगों ने उनको भी ज्ञापन की एक प्रति सौंपा है।

सचिव ब्रहमानन्द साय ने सी एम को बताया की कंवर समाज का यह भवन न केवल हमारे समाज की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करेगा, बल्कि समाज के उत्थान और सामूहिक आयोजनों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। वर्तमान में सामुदायिक गतिविधियों और कार्यक्रमों के आयोजन हेतु पर्याप्त सुविधाओं का अभाव है, जिससे समाज के विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है।

सामाजिक भवन नहीं होने से हो रहीं दिक्कत- समाज की अध्यक्ष हिरावती साय ने बताया की जशपुर जिला मुख्यालय में लगभग निवासरत् 200 कंवर समाज की आबादी और पूरे जिले में लगभग 1.5 लाख लगभग कंवर समाज के लोगों की आबादी को दृष्टिगत रखते हुए तथा दूरस्थ अंचल से आने वाले सगा बन्धुओं एवं पढ़ने व प्रतियोगी परीक्षा में बच्चों के रूकने से लेकर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के संचालन हेतु एक सामाजिक भवन (सामुदायिक भवन) की अत्यंत आवश्यकता है।

जल्द बजट स्वीकृति कि मांग- डॉ. आर.एस. पैंकरा ने कहा कि जशपुर जिला मुख्यालय में कंवर समाज के लिए भूमि आबंटित कर सामाजिक भवन के निर्माण हेतु आवश्यक बजट स्वीकृति प्रदान करें। ज्ञापन सौंपने के दौरान उपाध्यक्ष डॉलीषा पैकरा, निरंजना साय, सुनिता पैंकरा पंझा पैकरा, संरक्षक डॉ. आर.एस. पैंकरा, सचिव ब्रहमानन्द साय, कोषाध्यक्ष लालमन साय पैंकरा, किरण पैंकरा, ध्वज पैंकरा रंजीत साय पैकरा मौजूद रहें।

शांति भवन चर्च में प्रभु येसु का जन्म पर्व खुशियां बिखेरकर मनाया गया

प्रभु येसु शांति के अग्रदूत बनकर मानवजाति को प्रेम भाईचारा से जीवन जीना सिखाया

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। संत इग्नासियुस चर्च शांति भवन जशपुर में प्रभु येसु का जन्म पर्व खुशियां बिखेरकर मनाया गया। इस

अवसर पर 24-25 दिसंबर की मध्य रात्रि को क्रिसमस के अवसर पर विशेष पूजा अनुष्ठान किया गया। सर्वप्रथम फा. अलेक्स लकड़ा ने प्रधान याजक के रूप में चरनी (किब) बालक येसु की प्रतिमा और जोसेफ मरियम की प्रतिमा को आशीष जल के छिड़काव द्वारा पवित्र किया, तत्पश्चात पूजा अनुष्ठान प्रारंभ किया। क्रिसमस के खास मौके पर विशेष गायन मंडली का गठन किया गया था जिन्होंने प्रभु येसु के जन्म से संबंधित गानों का संचालन किया। इस पावन रात्रि में विशेष रूप से महिमा गान किया जाता है क्योंकि ईश्वर के पुत्र येसु खीस्त इस दुनिया में जन्म लिये थे। इस महिमा गान में बच्चों के एंजल ग्रुप के द्वारा स्वर्गीय दूतों का प्रतिनिधित्व करते हुए नृत्य प्रस्तुत किया गया।

24 दिसंबर की मध्यरात्रि को प्रभु येसु का हुआ जन्म : उपदेशक फा. फुलजेन्स एक्का ने कहा 24 दिसंबर की मध्यरात्रि को प्रभु येसु का जन्म हुआ। वह दुनिया के तमाम लोगों को पापों से मुक्ति दिलाने, एक उद्धारकर्ता के रूप में आया।प्रभु येसु शांति के अग्रदूत बनकर इस धरा में आये और सभी मानवजाति को अमन चैन, मेल प्रेम, भाईचारे की भावना से जीवन जीने के लिए सिखाया। इस महान पावन रात्रि जागरण मिस्सा अनुष्ठान में हजारों विश्वासी सम्मिलित होकर प्रभु येसु का दंडवत और आराधना कर क्रिसमस (येसु का जन्म परब) को यादगार बनाया।

अखिल भारतीय रौतिया समाज पूर्वी जोन का वार्षिक खेल प्रातियोगिता बरगांव में सम्पन्न

सामाजिक समरसता के साथ स्थानीय खेलों मिल राहा बढ़ावा : विजय बिहारी सिंह

जशपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय रौतिया समाज पूर्वी जोन के तत्वाधान में वार्षिक खेल प्रातियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया जौहर। यह प्रातियोगिता इस वर्ष बरगांव में सोमवार से प्रारम्भ होकर मंगलवार को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश साय विशिष्ठ आतिथि प्रांतीय अध्यक्ष धनश्याम सिंह, प्रांतीय सचिव मनबहाल सिंह, सह सचिव विजय बिहारी सिंह (जुरुगुम) थे। इस अवसर पर सह सचिव विजय बिहारी सिंह ने समाज को संबोधित करते हुए कहा ऐसे आयोजन का उद्देश्य सामाजिक समरसता के साथ हि स्थानीय खेलों को बढ़ावा देना हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश साय ने कहा रौतिया समाज का सामाजिक कार्यक्रम सूचारु रूप से चल रहा है अतिशीघ्र जिसकी हमें चाहता है वह जल्द प्राप्ति होंगी।

जिले के आलावा झारखंड से खिलाड़ी हुए शामिल- इस प्रतियोगिता में क्रिकेट, फुडबॉल, बालीबॉल, दौड़, समेत स्थानीय लोकल खेल रस्सा कसी, मटका फोड़ का आयोजन हुआ। जिसमें लोदाम, बड़ाबनई, पोरतेंगा, लोखंडी, आरा, बरगांव, गम्हरिया, रजौटी जशपुर एवं विशेष आतिथि के तौर पर कटाशारु (गुमला) मंडल के लोग शामिल हुए। वहीं इस प्रातियोगिता में सैकड़ों खिलाडियों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया। रात्रि में बरगांव में मांदर की थाप में कर्मा नृत्य किया गया। इस प्रतियोगिता में लखन सिंह लोदाम, ललेश्वर सिंह बरगांव, परमानंद सिंह, मांगलनाथ सिंह आरा, सुखनाथ प्रधान आरा, नंदकिशोर साय रजोटी, भुनेश्वर सिंह, घनश्याम सिंह, अजय सिंह बरगाँव समेत समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहें।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 26 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

धमतरी(विश्व परिवार)। विधानसभा स्तरीय महतारी वंदन सम्मान कार्यक्रम आज धमतरी जिले के विधानसभा सिहावा स्थित स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगरी के प्रांगण में आयोजित किया गया। सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक सिहावा अंबिका मरकाम, पूर्व विधायक पिंकी शाह, श्रवण मरकाम, प्रकाश बैस सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 26 जोड़ों का सामुहिक विवाह आयोजित किया गया। वहीं महतारी वंदन योजना के तहत लाभान्वित महिलाओं को शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया गया तथा विष्णु की पाती का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विधायक सिहावा अंबिका मरकाम ने नवविवाहित जोड़ों को अपनी आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और महिलाओं को बधाई दी। वहीं पूर्व विधायक पिंकी शाह ने महतारी वंदन योजना के तहत लाभान्वित महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार द्वारा महिलाओं को सम्मान स्वरूप एक हजार रूपये प्रति माह महतारी वंदन योजना के तौर पर प्रदाय कर रहे हैं। गौरतलब है कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रति जोड़ा 50 हजार रूपये दिया जाता है। इसमें 8 हजार रूपये विवाह आयोजन व्यवस्था एवं परिवहन, 7 हजार रूपये मंगलसूत्र, वर-वधु के कपड़े, श्रृंगार सामग्री चुनरी, साफा, उपहार सामग्री, 35 हजार रूपये वधु को ड्रॉफ्ट/बैंक खाते के माध्यम से भुगतान के लिए दिये जाते हैं।

महतारी वंदन योजना से रेणु के सिलाई कार्य में आई तेजी

बलौदाबाजार(विश्व परिवार)। रेणु ध्रुव पति महेश्वर ध्रुव के साथ मेहनत-मजदूरी करके घर का खर्च चलाती थी। रेणु घर के कामकाज और बच्चों की देखभाल के साथ-साथ सिलाई का काम भी करती हैं। हालांकि उनके पास एक साधारण सिलाई मशीन थी जिससे काम धीमा और थकाऊ हो जाता था। फिर भी वह अपने सपनों को साकार करने की कोशिश में जुटी रहीं। इसी बीच उनके जीवन में एक नई उम्मीद लेकर आई महतारी वंदना योजना। इस योजना के तहत रेणु को हर महीने एक हजार रुपये सहायता राशि मिलने लगी। महेश्वर ध्रुव ने रेणु ध्रुव को यह राशि उनके सिलाई कार्य में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। पति-पत्नी ने साथ बैठकर योजना बनाई और जब नौवीं किश्त उनके खाते में आई तो उन्होंने अपनी सिलाई मशीन में इलेक्ट्रिक मोटर लगवा दी। अब उनकी साधारण मशीन एक आधुनिक इलेक्ट्रिक सिलाई मशीन बन गई।अब सिलाई व्यवसाय में भी तेजी आई है और सुविधा भी हो रही है। नई मशीन के साथ जब रेणु ने पहली बार सिलाई की तो उनकी आँखों में आत्मविश्वास और खुशी झलक रही थी। अब उनका काम न केवल तेज़ हुआ, बल्कि उनका उत्पादन भी बढ़ा। पहले, जो काम उन्हें पूरा दिन लगता था, अब वह कुछ ही घंटों में निपटा लेती थीं। इससे उनकी आमदनी में इज़ाफा हुआ और घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होने लगी। रेणु ने भावुक होकर कहा, महतारी वंदना योजना ने मेरे सपनों को उड़ान दी है। मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का तहेदिल से धन्यवाद करती हूँ। इस योजना से हम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का मौका मिला है। मेरे पति महेश्वर ने भी मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया, जिसके बिना मैं यह सब नहीं कर पाती।

बनियातोरा हर घर जल ग्राम घोषित

महासमुन्द(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की हर घर जल की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत बागबाहरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत परकोम के आश्रित ग्राम बनियातोरा में जल जीवन मिशन के तहत अद्वितीय उपलब्धि हासिल की गई है। 19 नवंबर 2024 को यह ग्राम हर घर जल ग्राम घोषित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस मिशन को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाते हुए ग्रामवासियों को जल संकट से राहत दिलाई। बनियातोरा गांव में 49.99 लाख रुपये की लागत से 40 किलोलीटर उच्चस्तरीय जलागार और 115 नल कनेक्शनों के माध्यम से हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाने का सपना साकार हुआ। पहले गांव की महिलाएं और बच्चे 1 किलोमीटर दूर जोंक नदी या कुछ गिने-चुने हैंडपंप और कुओं से पानी लाने को मजबूर थे। बरसात में कीचड़ और गर्मियों में सूखे की समस्याएं गंभीर थीं। लेकिन अब, हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचने से महिलाओं और बच्चों को समय और स्वास्थ्य का लाभ मिल रहा है। बच्चों को पढ़ाई और खेलकूद के लिए अधिक समय मिलने लगा। महिलाओं को पानी के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिली। समय की बचत से महिलाएं आर्थिक गतिविधियों में भाग लेकर परिवार की आय बढ़ा रही हैं। गांव के लोग अब जल संरक्षण को लेकर जागरूक हो गए हैं।

समाज कल्याण विभाग विभागीय योजनाओं से हितग्राहियों को कर रहा है लाभान्वित

बीजापुर(विश्व परिवार)। समाज कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम समस्त पेंशन योजना यूडीआईडी प्रमाण पत्र पद्राय एवं सहायक उपकरण वितरण योजना संचालित है। सरकार गठन के एक वर्ष में हितग्राही संबंधित योजनाओं से लाभान्वित होकर अपने दैनिक जीवन के गतिविधियों में सुधार होने पर सफल जीवन यापन करने में सफलता प्राप्त हुआ है। सहायक उपकरण योजना के तहत दिव्यांगजनों की कल्याणकारी योजनाओं की इसी कड़ी में सहायक अंग/कृत्रिम अंग उपकरण प्रदाय योजना के माध्यम से सरकार गठन के एक वर्ष में दिव्यांगों को चिन्हांकित कर दिव्यांग हितग्राहियों को उनके आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण प्रदाय किया गया जिसमें 03 नग बैटरी चालित ट्राय सायकल, 03 नग ट्राय सायकल, 04 नग व्हील चेयर, 07 नग बैसाखी, 10 नग श्रवण यंत्र, 04 नग एमआर कीट, 08 नग वाल्किंग स्टीक प्रदाय किया गया जिसके माध्यम से जीवन मे सुधार हुआ जिससे जीवन यापन करने में सक्षम बने हैं। बौद्धिक मंद बालक विशेष विद्यालय का संचालन मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को प्रभावी सक्षमता प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा विशेष शिक्षकगणों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। युनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए युनिक डिसेबिलिटी आईडी बनाये जाने का कार्य किया जा रहा है जिले में कुल लक्षित 2090 में से आज पर्यन्त तक 2497 दिव्यांगजनों का ऑनलाईन पंजीयन तथा 2319 हितग्राहियों का युडीआईडी कार्ड बनाया जा चुका है, सरकार गठन के एक वर्ष में कुल 94 डिसेबिलिटी कार्ड बनाया गया है। सामाजिक सहायता कार्यक्रम पेंशन योजना सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत समस्त पेंशन योजनाओं से वर्तमान में जिले में कुल 13398 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। पात्रतानुसार पात्र दिव्यांगजनों, वृद्धजनों, विधवा एवं परित्यक्तों को शासन द्वारा निर्धारित दर प्रतिमाह 500 रुपए प्रदाय किया जाता है एवं ऐसे पात्र वृद्धजन जिनकी आयु 80 वर्ष या उससे अधिक हो उन्हे 650 रूपए प्रतिमाह की दर से प्रदाय किया जाता है। आम जन मानस के मध्य दिव्यांगों, वृद्धजनों, विधवा, परित्यक्ता महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो उन्हे शासन द्वारा प्राप्त होने वाली योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से मिलता रहे इस हेतु विभाग अपने स्थानीय निकायों के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। सरकार गठन के एक वर्ष में शासन की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार आपका का आदर्श ग्राम इस योजना के माध्यम से जिले में चयनित 33 ग्रामों के पात्र हितग्राहियों को विभाग द्वारा संचालित योजना इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन से 122, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन 130 एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्त पेंशन 17 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। उक्त योजना के माध्यम से शासन द्वारा हितग्राहियों को अंधकार से प्रकाश की ओर लाने का कार्य किया जा रहा है। नक्सली हमले में दिव्यांगो को प्रदाय कृत्रिम अंग जिले में नक्सली हमले, हिंसा आदि में दिव्यांग हुये दिव्यांगजनो को कृत्रिम अंग प्रदाय कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा गया।

अंबिकापुर गढ़वा रेल लाइन रोकने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

बलरामपुर-रामानुजगंज(विश्व परिवार)। रामानुजगंज बलरामपुर विकासखंड के अंतर्गत आधा दर्जन से अधिक ग्रामवासीयों ने कलेक्टर को अंबिकापुर से गढ़वा नवीन रेल लाइन निर्माण पर रोक लगाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौपा। ग्रामवासियों ने कहां की अंग्रेज के समय में जो अंबिकापुर से बरवाडी रेल लाइन विस्तार हेतु स्वीकृति प्रदान किया गया था। जिसके लिए रेलवे का भूमि अधिग्रहण पुल पुलिया का भी निर्माण किया गया था। इस पर निर्माण हो नवीन निर्माण होने से ग्राम वासियों को बहुत नुकसान होगा। ग्राम वासियों ने अंबिकापुर से गढ़वा झारखंड रेल लाइन सर्वे भूमि अधिग्रहण के कार्य में रोक लगवाने की मांग की। ग्राम ओबरी, भवानीपुर, खुर्रा, नवाडीहखुर्द, तुर्रीडीह आमडंडा महाराजगंज सहित अन्य गांव से अंबिकापुर से गढ़वा झारखंड रेल लाइन निर्माण हेतु वर्तमान में सर्वे का कार्य किया जा रहा है। ग्राम वासियों ने बताया कि वर्तमान में रेलवे मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा जो सर्वे कराए जा रहा है उसे बड़ी संख्या में हम सब ग्राम वासियों को नुकसान होगा रिहायशी क्षेत्र में रेल लाइन सर्वे करने से वह निर्माण होने पर ग्राम वासियों को नुकसान होगा।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मातहतों को वरिष्ठों की दो टूक, अपराधियों पर कसें नकेल

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक -राहुल देव शर्मा द्वारा दिनांक 14.12.2024 एवं 25.12.2024 को विडियां कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से (राजपत्रित अधिकारी पुलिस) एवं थाना प्रभारियों की क्राईम मीटिंग लिया गया। जिसमें आगामी त्यौहार क्रिसमस, न्य ईयर के मद्देनजर तैयारी करने हेतु निर्देशित किया गया। कानून व्यवस्था एवं अपराधों के संबंध में जानकारी ली गई। थानों पर लंबित विवेचनाएं की समीक्षा कर लंबित अपराधों का निराकरण जल्द से जल्द करने हेतु कहा गया साथ ही अपराधों पर नियंत्रण एवं आसामाजिक तत्वों, गुण्डा बदमाश, निगरानी बदमाश पर अंकुश लगाने के लिए संदिग्ध लोगों की पहचान कर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए। अवैध गांजा एवं शराब की नष्टीकरण करने हेतु कहा गया। गांजा एवं अवैध शराब तस्करों पर अधिक से अधिक कार्यवाही कर उनके चैन को तोड़ा जाये। अवैध गांजा एवं शराब व पशु तस्करी के मामले में जप्त वाहनों को संबंधित न्यायलय से राजसात की कार्यवाही की जाये। सभी थाना/चौकी प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में बाहर से आये मुसाफिरों की चेकिंग कर फिंगर प्रिंट लेकर संदिग्धों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें। संबंधित जिला से उनके बारे में जानकारी लिया जाये। आवश्यकता पड़ने पर उनके जिला वापस भेजा जाये। जितने भी मर्ग पेंडिंग है उसका सिघ्रा निराकरन करने हेतु हिदायत दी गई, संबंधित अपराधों के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही करने एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द करने हेतु हिदायत दी गई। रात्रि में पैदल गस्त पर विशेष ध्यान रखने हेतु कहा गया। न्यू ईयर के पहले 31 दिसम्बर के रात्रि को जिले के सभी हॉटल/ढाबा अपने निर्धारित समय पर बंद करें यदि किसी प्रकार के अवैध तरिके से शराब पीलाने पाये जाने पर उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वार थाना बसंतपुर, लालबाग, सोमनी में 15 जनवरी से ऑनलाईन एफ्आईआर के लिये चयन किया गया है।

महिलाओं ने की एसपी से शिकायत, गांव में लगातार बढ़ रहा शराब कारोबार

बलौदा बाजार(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में अवैध शराब बिक्री की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है। गांव-गांव में हो रहे इस अवैध कारोबार से महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। मंगलवार को जिले के अर्जुनी, टोनाटार, भद्रपाली सहित कई गांवों की भारत माता वाहिनी की महिलाएं एसपी और कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने गांवों में कोचियों द्वारा शराब बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। महिलाओं ने बताया कि, शराब विक्रय से उनका जीवन कठिन हो गया है। युवा नशे की लत में पड़ रहे हैं और गांव में विवाद बढ़ रहे हैं। शराब माफिया विरोध करने वालों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देते हैं। महिलाओं का कहना है कि, आधा दर्जन से अधिक घरों में अवैध शराब बिक रही है। हालांकि शासकीय शराब दुकानें है। लेकिन सेल्समैन और कोचियों की सांठगांठ से यह कारोबार बढ़ रहा है। बाइक पर शराब ले जाने के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। इस पर आबकारी विभाग और पुलिस की निष्क्रियता सवालों के घेरे में है। महिलाओं ने मांग की कि प्रशासन अवैध शराब विक्रय पर सख्त कार्रवाई करे। विरोध के दौरान पांच महिलाओं के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की है।

सुशासन सप्ताह पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

बलरामपुर(विश्व परिवार)। केन्द्र एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार 19 दिसंबर से 24 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर थीम के साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जिसमें जन चौपाल, जन समस्या निवारण शिविर, किसान एवं महिला सम्मेलन आदि शामिल है। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता में सुशासन सप्ताह पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सुशासन सप्ताह अंतर्गत किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए विजन डॉक्यूमेंट 2047 का विमोचन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी रेना जमील, डिप्टी कलेक्टर शशि चौधरी सहित मीडिया प्रतिनिधिगण व सर्व जिला अधिकारी उपस्थित रहे। सुशासन सप्ताह कार्यशाला में कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने कहा कि सुशासन सप्ताह अंतर्गत योजनाओं की पहुंच आम जनता तक आसानी से हो और जरूरतमंद और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय-सीमा के भीतर मिले यही सुशासन सप्ताह का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनदर्शन, जनसमस्या निवारण शिविर और साथ ही अन्य योजनाओं के माध्यम से भी लाभान्वित किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि सुशासन के माध्यम से विकसित राज्य की संकल्पना और योजनाओं की क्रियान्वयन के माध्यम से सुशासन की अवधारणा को पूरा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट 2047 अंतर्गत विकास के सभी आयामों को समाहित किया गया है। साथ ही जिला की विशिष्ट पहचान और विशेषताओं को शामिल करते हुए तैयार किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं और बच्चों के विकास, अधोसंरचनात्मक कार्य, पर्यावरण सहित सभी जरूरी पहलुओं को शामिल किया गया है।

2047 तक विकसित जिला बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार : कलेक्टर

कोरिया(विश्व परिवार)। सुशासन सप्ताह के समापन व भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशती के अवसर पर जिला प्रशासन कोरिया द्वारा जिला पंचायत के मंथन कक्ष में फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का संदेश को सुना गया, जिसमें उन्होंने अटल जी को याद करते हुए उनकी जन्मशती को ''अटल निर्माण वर्ष'' के रूप में मनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''अटल जी का विराट व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान ने भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।'' विधायक भैयालाल राजवाड़े ने प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए अटल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा, ''अटल जी का जीवन प्रेरणा और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। उनकी दूरदृष्टि और नेतृत्व ने देश को एक सशक्त और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर किया। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।'' कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले को 2047 तक विकसित जिला बनाने के लिए तैयार कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। कलेक्टर ने बताया कि पर्यटन विकास के लिए तीन जलप्रपातों को चिन्हित कर उनके विकास की योजना तैयार की गई है। होम स्टे जैसी योजनाओं को बढ़ावा देकर स्थानीय रोजगार के अवसर विकसित किए जाएंगे। कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने और महिलाओं की भागीदारी से जल शक्ति अभियान को सशक्त किया जाएगा, वहीं जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने अपने संदेश में कहा, ''सुशासन का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब शासन की योजनाएं हर जरूरतमंद तक पहुंचें। हमें अटल जी की नीतियों और विचारों से प्रेरणा लेते हुए इस दिशा में कार्य करना होगा।'' कार्यक्रम में डॉ. राजकुमार शर्मा ने अटल जी की कालजयी कविता ''गीत नया गाता हूँ'' का भावपूर्ण पाठ किया। यह प्रस्तुति अटल जी के साहित्यिक पक्ष को सामने लाती है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है। यह फ़ोटो प्रदर्शनी दो दिनों तक जनता के लिए खुली रहेगी, जिसमें अटल जी के जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों और उपलब्धियों को दर्शाने वाली तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, स्व-सहायता समूह की महिलाएं और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। अटल जी के विचार और कृतित्व सभी के लिए प्रेरणा के स्त्रोत बने हुए हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शुक्रवार 27 दिसंबर 2024

व्यापार समाचार

बड़े शेयरों से कन्नी काट रहे निवेशक, तो अब कहां लगा रहे हैं पैसा?

मुंबई (एजेंसी)। साल 2024 खत्म हो रहा है और कुछ ही दिन बाद नया साल यानी 2025 शुरू हो जाएगा। शेयर मार्केट के लिहाज से देखें तो यह साल कुछ अच्छा नहीं रहा है। भू-राजनीतिक तनाव, हाई फेड रेट और उच्च वैल्यूएशन जैसे कई ऐसे फैक्टर्स हैं, जिनके चलते इस साल मार्केट सिर्फ 10त्न के आसपास ही रिटर्न दे पा रहा है। हालांकि, इस साल स्मॉल और मिडकैप्स स्टॉक्स मार्केट में छाए रहे। लेकिन क्या साल 2025 में भी इनका जलवा कायम रहेगा? आइए जानते हैं। भारतीय शेयर बाजार एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। पहले निवेशक बड़ी कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाना पसंद करते थे। अब मिड और स्मॉल कैप सेगमेंट को निवेशक ज्यादा पसंद करने लगे हैं। यही कारण है कि निफ्टी-50 और टॉप कंपनियों में निवेश लगातार गिरता दिखाई दे रहा है। उदाहरण के लिए, स्त्रक्कु के पास 4 साल पहले 1200 शेयरों की होल्डिंग थी, जो अब 1800 शेयरों से ज्यादा की हो गई है। इसी तरह घरेलू म्यूचुअल फंड्स भी अपने पोर्टफोलियो में रिकॉर्ड संख्या में छोटी कंपनियों के शेयर शामिल कर रहे हैं। इसके पीछे वजह है छोटी कंपनियों की आकर्षक वैल्यूएशन और ग्रोथ की बढ़ती संभावनाएं। ऐसे में लॉन्ग टर्म ग्रोथ की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए ये शेयर बढ़िया ऑप्शन साबित हो रहे हैं। यह इंडेक्स मार्केट कंसनट्रेशन को बताती है। सरल शब्दों में अगर एचएनआई कम हो, तो इसका अर्थ है कि पोर्टफोलियो में शेयरों की अधिक संख्या के साथ लोअर कंसनट्रेशन है। आइए जानते हैं कि यह इंडेक्स इस समय क्या ट्रेंड बता रही है। इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स = सितंबर तिमाही में एनएसई लिस्टेड कंपनियों में इंस्टीट्यूशनन पोर्टफोलियोज के लिए एचएनआई गिरकर 175 पर आ गई है। यह साल 2001 के बाद से सबसे कम है। घरेलू म्यूचुअल फंड्स = यहां एचएनआई सितंबर तिमाही में 137 पर था, जो 25 तिमाही का निम्न स्तर है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक = एफपीआई का एचएनआई सितंबर तिमाही में 217 पर था। यह साल 2001 के बाद से सबसे कम है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर जुलाई के उच्च स्तर से 23 प्रतिशत फिसला

मुंबई(एजेंसी)। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का शेयर जुलाई में अपने उच्चतम स्तर से 23 प्रतिशत फिसल चुका है। अगर शेयर 2024 के बाकी बचे पांच कारोबारी सत्रों में 5 प्रतिशत बढ़ने में असफल रहा, तो कोविड-19 महामारी के बाद यह पहला मौका होगा, जब आरआईएल के शेयर में मासिक आधार पर इतने लंबे समय तक गिरावट रही है। साथ ही पिछले 10 वर्षों में यह पहला मौका होगा, जब यह नकारात्मक रिटर्न देगा। आरआईएल के शेयर में लगातार हो रही गिरावट के कारण, इससे देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी होने का खिताब छिनने का खतरा मंडरा रहा है। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, आरआईएल का मार्केट कैप जुलाई के अपने उच्चतम स्तर 21.50 लाख करोड़ रुपये से करीब 5 लाख करोड़ रुपये घटकर 16.50 लाख करोड़ रुपये रह गया। वहीं, टाटा समूह के स्वामित्व वाली भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश का सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी बैंक, आरआईएल को शीर्ष स्थान से हटाने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। टीसीएस का मार्केट कैप इस साल जनवरी में 13.72 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 15 लाख करोड़ रुपये हो गया है और यह आरआईएल को उसके शीर्ष स्थान से हटाने के सबसे करीब है। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप इस साल 12.95 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 13.74 लाख करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस और एचडीएफसी बैंक दोनों के शेयरों ने 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया। 24 दिसंबर की क्लोजिंग के अनुसार, टीसीएस ने इस साल लगभग 10 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक ने लगभग 7 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में कमी के चलते टीसीएस और एचडीएफसी बैंक को लेकर निवेशक आशावान बने हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ आरआईएल का आय लगातार अनुमान से कमजोर बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से अगले वर्ष के लिए आरआईएल की प्रति शेयर आय अनुमान में 16 प्रतिशत की गिरावट आई है।

नए घरों के डेवलपमेंट में टियर दो और तीन शहरों की हिस्सेदारी बढ़कर 40 प्रतिशत होने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। जयपुर, इंदौर और कोच्चि जैसे टियर 2 और 3 शहरों की हिस्सेदारी नए घरों के डेवलपमेंट में बढ़कर 2025 तक 40 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। जेएलएल इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि टियर 2 और 3 शहरों में तेज वृद्धि के कारण रियल एस्टेट सेक्टर का जीडीपी में योगदान बढ़कर 13 प्रतिशत होने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, शहरी गृह स्वामित्व दर 2025 तक 72 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, जो 2020 में 65 प्रतिशत थी। इसकी वजह किफायती फाइनेंस विकल्पों का उपलब्ध होना और युवाओं द्वारा नए घर खरीदना है। अनुमान के मुताबिक, 2030 तक नया घर खरीदने वालों में मिलेनियल्स और जेन जेड की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत होगी। जेएलएल इंडिया में सीनियर डायरेक्टर और रेजिडेंशियल सर्विसेज और डेवलपर इनिशिएटिव (उत्तर और पश्चिम) के प्रमुख, रितेश मेहता ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी, जिसे पहले एक लग्जरी समझा जाता था। आज एक जरूरत बन गई है। हमें उम्मीद है कि 2025 में ग्रीन सर्टिफाइड बिल्डिंग की हिस्सेदारी नए रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स में 30 प्रतिशत होंगी। यह आंकड़ा 2020 में 15 प्रतिशत था। एलईईडी (लीडरशीप इन एनर्जी एंड एनवायरमेंट डिजाइन) जैसे ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन अधिक आम होते जा रहे हैं क्योंकि रियल एस्टेट उद्योग सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता दे रहा है। स्मार्ट और टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड घरों की मांग में तेजी बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में बजट फ्रेंडली हाउसिंग पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सरकारी नीतियों से भी इसे समर्थन मिल रहा है। इसके कारण पहली बार घर खरीदने वाले लोगों को राहत मिल रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कोविड-19 महामारी के बाद रियल एस्टेट बाजार में लग्जरी की परिभाषा बदल गई है।अब विशाल लेआउट, निजी बाहरी क्षेत्र और स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को ध्यान में रखते हुए वेलनेस सुविधाओं पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

कोंस्टास के सामने बुमराह के रूप में बड़ी चुनौती होगी : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। लेकिन उनके सामने जसप्रीत बुमराह के रूप में बड़ी चुनौती होगी। कोंस्टास (19) गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्हें नैथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया की 2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलते हुए शतक बनाया। 11 प्रथम श्रेणी मैचों में कोंस्टास ने 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। मैंने बहुत कुछ देखा है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वहां बहुत प्रतिभा है। जिस तरह से उन्होंने पीएम इलेवन गेम में खेला (उन्होंने भारतीयों के खिलाफ 107 रन बनाए), जिस तरह से वह उस रात अपने पहले बीबीएल गेम में खेलने में सक्षम थे। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा,मुझे पता है कि यह अलग-अलग प्रारूप हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि प्रतिभा है और इसके साथ थोड़ा रवैया भी है। और यह कोई बुरा रवैया नहीं है, (लेकिन) यह रवैया है कि वह जानता है कि वह अच्छा है और वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि वह अच्छा है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ कोंस्टास के सामने आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए, पोंटिंग ने कहा, अभी भी एक चुनौती है। यह एक टेस्ट मैच है। यह आपका पहला टेस्ट मैच है। आप दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेल रहे हैं। विश्व क्रिकेट में शायद इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं है। यह किसी भी अन्य देश की तरह है जो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ ओपनिंग बल्लेबाज के रूप में पदार्पण कर रहा है, जब आपके पास स्टार्क, कमिंस और हेज़लवुड हैं। बुमराह निश्चित रूप से इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे अलग और शायद सबसे अग्रणी तेज गेंदबाज रहे हैं। इसलिए कोंस्टास के लिए वहां बड़ी चुनौती होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। पोंटिंग ने कोंस्टास पर आगे बढ़कर मुकाबला करने का भरोसा जताया, खासकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर होने के बाद। मुझे नहीं लगता कि वह इस तरह का खिलाड़ी है जो इसके बारे में बहुत चिंतित होगा। मुझे लगता है कि वह इससे उत्साहित होगा। वह अपने खेलने के तरीके से कुछ दबाव बनाने की कोशिश करना चाहेगा। जैसे कि वह कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं है जो 50 गेंदों पर पांच रन बनाकर खेलता रहे। वह या तो जल्दी उठकर खेलेगा या फिर उससे थोड़ा पहले आउट हो जाएगा। वह खुद को मुकाबले में हावी करने के तरीके खोजने की कोशिश करेगा, जो कि मुझे लगता है कि हर किसी को उसके बारे में पसंद है।

मैं सोच रही थी कि मेरी मां मेरे पहले वनडे शतक पर कितनी खुश होंगी: हरलीन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की बल्लेबाज हरलीन देओल, जिन्होंने वेस्टइंडीज पर 115 रनों की जीत में अपना पहला वनडे शतक बनाया, ने कहा कि वह सोच रही थी कि उनकी मां उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार शतक बनाते हुए देखकर कितनी खुश होंगी। वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में, हरलीन ने 103 गेंदों पर 115 रन बनाए, जिसमें 16 चौके शामिल थे, जिससे भारत ने 358/5 का स्कोर बनाया, जो महिला वनडे में उनका संयुक्त उच्चतम स्कोर है। उन्होंने 62 गेंदों पर अपना अर्धशतक बनाया, और फिर तेजी से आगे बढ़ते हुए 98 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। मेरी मां हमेशा यही कहती रहती है कि भगवान उन्हें खुशियां देते हैं जो उन्हें बांटते हैं। जो लोग उन्हें बांटते नहीं, भगवान कहते हैं कि वे उन्हें बांट नहीं रहे हैं, क्योंकि वे इतनी छोटी सी खुशी से खुश नहीं होंगे। यह भगवान की योजना है। आपको बस इस पर विश्वास करते रहना है। उन पर भरोसा करते रहना है। बस यही एक बात है। बीसीसीआई के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में हरलीन ने कहा,आप यह नहीं सोच सकते कि काश मैं अगले 10 मैचों में 100 रन बना पाती । लेकिन ऐसा लगता है, यह भी संभव हो सकता है। जब मैं वहां था, तो मैं सोच रही थी कि मेरी मां कितनी खुश होगी। मुझे याद है कि जब मैं घायल हुई थी, तो हर कोई मेरे आस-पास था। लेकिन तब मेरी मां एक ऐसी इंसान थी, जो कभी इस बात से चिढ़ती नहीं थी कि मैं चल नहीं सकती। हरलीन ने कहा, अगर आप पानी की बोतल उठाना चाहते हैं, तो आप ऐसा नहीं कर सकते। हरलीन की पारी का महत्व बहुत बड़ा है, क्योंकि उन्हें डब्ल्यूपीएल 2024 में गुजरात जायंट्स के लिए खेलते समय घुटने में चोट लग गई थी और मुंबई में उनकी सर्जरी हुई थी।

कृष्णा श्रॉफ ने अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रतिष्ठित एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता

मुंबई(एजेंसी) । बेहतरीन फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ को हाल ही में एक प्रतिष्ठित समारोह में एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस शानदार शाम की शोभा को बढ़ाते हुए, यह पुरस्कार भारत की पूर्व शिक्षा मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने कृष्णा की उल्लेखनीय यात्रा और अथक प्रयासों की प्रशंसा की। स्मृति ईरानी ने साझा किया कि ऐसी कई भारतीय महिलाएं हैं जिन्हें फिटनेस, खेल और व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में व्यापक रूप से अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज जो महिलाएं पुरस्कार जीत रही हैं, जैसे कृष्णा और अन्य, उन्होंने न केवल उन्हें प्रेरित किया बल्कि दूसरों को भी उदाहरण प्रस्तुत करके सशक्त किया। यह दिल से किया गया सम्मान कृष्णा की प्रेरणादायक करियर का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गया। एमएमए मैट्रिक्स जिम के सह-संस्थापक के रूप में, कृष्णा भारत में फिटनेस के क्षेत्र में क्रांति ला रही हैं। उनके नेतृत्व में, ब्रांड ने प्रमुख शहरों में जिम फ्रेंचाइजी की बढ़ती श्रृंखला में तेजी से विस्तार किया है। कृष्णा मैट्रिक्स फाइट नाइट के पीछे भी प्रेरक शक्ति हैं, जो घरेलू एमएमए प्रतिभा को वैश्विक मंच पर उजागर करने की एक पहल है। उनकी उद्यमशीलता की भावना और फिटनेस के प्रति समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री में सबसे आगे स्थापित किया है।

कोंस्टास वार्नर के क्लोन नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक उत्तराधिकारी हैं: चैपल

नई दिल्ली(एजेंसी)। किशोर बल्लेबाज सैम कोंस्टास भारत के खिलाफ महत्वपूर्ण बॉक्सिंग डे टेस्ट में एमसीजी में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ग्रेग चैपल का मानना है कि यह युवा खिलाड़ी पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का स्वाभाविक उत्तराधिकारी है, न कि उनका क्लोन। सैम कोंस्टास बॉक्सिंग डे पर 468वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टेस्ट खिलाड़ी बन जाएंगे। 19 वर्षीय खिलाड़ी 2011 में 18 वर्षीय पैट कमिंस के पदार्पण के बाद बैगी ग्रीन में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। चैपल ने द एज के लिए अपने कॉलम में लिखा, केवल 19 वर्ष की उम्र में, कोंस्टास इतिहास के शिखर पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में बल्लेबाजी की शुरुआत करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी होंगे। बॉक्सिंग डे पर उनका पदार्पण रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों है। कोंस्टास के पास शानदार रन बनाने और तेजी से अनुकूलन करने का स्वभाव और क्षमता है। कोंस्टास को सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी की जगह शामिल किया गया है, जिनके स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं द्वारा गाबा में ड्रॉ हुए तीसरे टेस्ट के दौरान दो एकल अंकों के स्कोर के बाद काफी बहस हो रही थी। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि चयनकर्ताओं का काम चैंपियन को तलाशना है, न कि उन खिलाड़ियों को चुनना जो नंबर बनाते हैं। अगर आप सही खिलाड़ी चुनते हैं, भले ही आपको भविष्य में किसी समय उन्हें बाहर करना पड़े, तो वे इस बात पर विचार करेंगे कि उन्हें किस तरह के सुधार की जरूरत है और वे मजबूत होकर वापसी करेंगे। कोंस्टास शेफील्ड शील्ड के शुरुआती दौर में साउथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो शतक बनाकर सुर्खियों में आए। उन दो शतकों ने उन्हें शेफील्ड शील्ड में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले किशोर होने का गौरव भी दिलाया, इससे पहले 1993 में दिग्गज रिकी पोंटिंग ने ऐसा किया था। 88 रन की पारी से पहले कोंस्टास ने कैनबरा में पिंक-बॉल अभ्यास मैच में भारत के खिलाफ शतक भी लगाया था, इसके अलावा उन्होंने मेलबर्न में इंडिया ए के खिलाफ नाबाद 73 रन भी बनाए थे। अनुभवी सलामी बल्लेबाज वार्नर के संन्यास के बाद, ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर एक उल्लेखनीय अंतर है। वार्नर ने सभी प्रारूपों में अपने आक्रामक स्ट्रोकप्ले से ओपनिंग में क्रांति ला दी है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट नहीं खेलेगा राशिद खान, टीम को लगा बड़ा झटका

नईदिल्ली(एजेंसी)। पूरी दुनिया में क्रिसमस की धूम है लेकिन क्रिसमस के ठीक एक दिन बाद यानी 26 दिसंबर से क्रिकेट के फैंस के लिए जैसे महोत्सव शुरु हो रहा है. बॉक्सिंग डे पर एक नहीं, दो नहीं बल्कि 3 टेस्ट शुरु हो रहे हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में शुरु हो रहा है. वहीं साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान की टीम भी सेंचूरियन में भिड़ेगी. तीसरा टेस्ट जिंबाब्वे और अफगानिस्तान के बुलावायो में खेला जाएगा. इस टेस्ट से एक दिग्गज खिलाड़ी बाहर हो गया है. जिंबाब्वे और अफगानिस्तान के बीच होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी राशिद खान बाहर हो गए हैं. अफगानिस्तान के लिए ये एक बहुत बड़ा झटका है. राशिद जितने अच्छे स्पिनर हैं उतने ही अच्छे निचले क्रम के बल्लेबाज हैं. इसलिए उनका टीम से बाहर होना अफगानिस्तान के लिए झटका है और टीम के लिए इसकी भरपाई मुश्किल है. राशिद खान के बॉक्सिंग डे मैट से बाहर रहने की वजह एक चैरिटी इवेंट है जिसमें राशिद को भाग लेना है. बता दें कि अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट की व्यस्तता के बीच राशिद सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं. इसी वजह से उन्होंने आगामी टेस्ट से भी बाहर रहने का फैसला लिया है और इसमें उन्हें उनकी टीम मैनेजमेंट का सहयोग मिला है.

इंडीक्यूब स्पेसेस लिमिटेड ने 850 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

नई दिल्ली(एजेंसी)। व्यापक, टिकाऊ और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों के माध्यम से पारंपरिक कार्यालय अनुभव को बदलने के लिए समर्पित एक प्रबंधित कार्यस्थल समाधान कंपनी इंडीक्यूब स्पेसेस लिमिटेड ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक, सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दायर किया है। इंडीक्यूब को प्रमुख उद्यम पूंजी फर्म, वेस्टब्रिज कैपिटल और प्रसिद्ध व्यक्तिगत निवेशक, आशीष गुप्ता का समर्थन प्राप्त है, जिसके अध्यक्ष, कार्यकारी निदेशक और सीईओ ऋषि दास और सीओओ और कार्यकारी निदेशक मेघना अग्रवाल हैं। बेंगलुरु स्थित कंपनी के आईपीओ में 750 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रमोटर विक्रय शेयरधारकों ङ्क ऋषि दास और मेघना अग्रवाल द्वारा 100 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इंडिक्यूब स्पेसेस लिमिटेड ने नए केंद्रों की स्थापना (462.6 करोड़ रुपये) के लिए पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है; कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों का पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतान (100 करोड़ रुपये); और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए। 2015 में निगमित की गई यह कंपनी 13 शहरों में 103 केंद्रों का पोर्टफोलियो प्रबंधित करती है, जो 30 जून 2024 तक 172,451 लोगों की कुल बैठने की क्षमता के साथ सुपर बिल्ट-अप क्षेत्र में 7.76 मिलियन वर्ग फुट प्रबंधन क्षेत्र (एयूएम) को कवर करती है और इसके ग्राहकों के हिस्से के रूप में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और भारतीय उद्यमों का एक संतुलित पोर्टफोलियो है। इंडीक्यूब के ग्राहकों में जीसीसी, भारतीय कॉरपोरेट्स, यूनिकॉर्न के साथ-साथ मिंत्रा, अपग्रेड, जीरोधा, नो ब्रोकर, रेडबस, जसपे, परफ्मिोस, मोग्लिक्स, निंजाकार्ट, सीमेंस, नारायण हेल्थ जैसे क्षेत्रों के स्टार्ट-अप शामिल हैं। इंडिक्यूब ग्रो कंपनी की मुख्य पेशकश है जो प्लग एंड प्ले वर्कस्पेस के लिए एक व्यापक कार्यस्थल समाधान का प्रतिनिधित्व करती है।

आईआईएम रायपुर ने एमबीए 2025-27 बैच के लिए स्वतंत्र प्रवेश प्रक्रिया की घोषणा की, कॉमन एडमिशन प्रोसेस (सीएपी) 2025 से अलग होने का निर्णय

रायपुर। बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स के लिए प्रतिष्ठित संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) रायपुर ने अगले सत्र में स्वतंत्र चयन प्रक्रिया के माध्यम से अपने प्रतिष्ठित 2-वर्षीय एमबीए प्रोग्राम में प्रवेश आयोजित करने की घोषणा की है। आईआईएम रायपुर कॉमन एडमिशन प्रोसेस (सीएपी) 2025 का हिस्सा नहीं होगा और उम्मीदवारों का सीधे उनके कैट स्कोर और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर मूल्यांकन करेगा। इस तरह संस्थान के मिशन और उद्देश्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए बेहतर और पहले से अधिक अनुरूप विजन सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस महत्वपूर्ण बदलाव के साथ, आईआईएम रायपुर का लक्ष्य आवेदकों को एक सुव्यवस्थित और व्यक्तिगत आवेदन अनुभव प्रदान करना है। यह कदम मैनेजमेंट संबंधी कोर्स में इनोवेशन और शिक्षाविदों के लिए संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। विद्यार्थियों की शॉर्टलिस्टिंग जनवरी 2025 के दूसरे सप्ताह से शुरू होगी। प्रवेश साक्षात्कार भारत भर के इन आठ शहरों में आयोजित किया जाएंगे-- मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, लखनऊ, बेंगलुरु, नई दिल्ली, गुवाहाटी और रायपुर। साक्षात्कार की संभावित अवधि 10 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक है। इच्छुक उम्मीदवार आईआईएम रायपुर के आधिकारिक प्रवेश पोर्टल से पात्रता मानदंड, चयन प्रक्रिया और दिशानिर्देश सहित सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पिछले वर्षों में, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफमैनेजमेंट (आईआईएम) रायपुर ने एक प्रभावशाली जेंडर डाइवर्सिटी रेशियो हासिल किया है। 2022-2024 बैच के लिए, उच्चतम सीटीसी की पेशकश ?42.29 लाख प्रतिवर्ष थी, जबकि औसत सीटीसी ?18.15 लाख प्रतिवर्ष थी। अपनी समृद्ध विरासत और उद्योगों के साथ बेहतर संबंधों के साथ, संस्थान ने पिछले शैक्षणिक वर्ष के प्लेसमेंट अभियान के दौरान 116 भर्तीकर्ताओं को आकर्षित किया, जिसमें इसके भर्तीकर्ता पूल में 38 नए संस्थान शामिल हुए। संस्थान लगातार उल्लेखनीय शैक्षणिक विविधता का प्रदर्शन करता है, इंजीनियरिंग, विज्ञान, वाणिज्य, कला, चिकित्सा और कानून, होटल प्रबंधन आदि जैसे क्षेत्रों से छात्रों का स्वागत करता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024

रायपुर में एक कॉल से मिल रहा है समस्या का समाधान

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन से समस्याओं का निराकरण हो रहा है। जोन 8 के वार्ड क्रमांक 69 निवासी श्री दीपक साहू ने स्ट्रीट लाइट नहीं जलने को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि वार्ड के सत्यम बिहार कलोनी में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के पास महीनेभर से स्ट्रीट लाइट खराब है। जिससे रात में आने जाने वालों को परेशानी का सामना करना पडता है। विभागीय अधिकारियो ने मामले की जानकारी ली साथ ही तत्काल स्ट्रीट लाइट रिपेयरिंग का कार्य करवाया गया।

रायपुर नगर निगम में उत्कृष्ट कार्यों के लिए अधिकारियों को सम्मानित, आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने किया प्रोत्साहन

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने आईटी एक्सपर्ट श्री रंजीत रंजन, कार्यपालन अभियंता श्री अंशुल शर्मा और सहायक अभियंता श्री योगेश कडु को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। श्री रंजीत रंजन को ऑनलाइन संपत्तिकर प्रणाली, फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम, होर्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम, और ई-चालान प्रणाली के सफल विकास और संचालन के लिए प्रोत्साहित किया गया। वहीं, श्री अंशुल शर्मा को फास्ट फोर व्हीलर ई-चार्जिंग स्थापना और प्रमुख मार्गों के सौंदर्यीकरण में उनके योगदान के लिए सराहा गया। सहायक अभियंता श्री योगेश कडु को स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छ सर्वेक्षण कार्य और अमृत मिशन के तहत एसटीपी में उपचारित जल आपूर्ति के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इन सभी अधिकारियों को प्रतीक चिन्ह देकर उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। आयुक्त श्री मिश्रा ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके उत्कृष्ट योगदान से नगर निगम और स्मार्ट सिटी के कार्यों में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

दिगंबर जैन मंदिर लाभांडी की चोरी के शीघ्र खुलासे पर जैन समाज द्वारा पुलिस का किया गया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। विगत दिवस श्री पद्म प्रभु दिगंबर जैन मंदिर, लाभांडी रायपुर में चोरों द्वारा भगवान के छत्र, चांदी के पूजा उपकरण, स्वर्ण एवं चांदी कलश आदि की बड़ी चोरी को अंजाम दिया गया था।

पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए 36 घंटे के अंदर ही इस चोरी का खुलासा कर दिया गया एवं चोरों को पकड़कर पूरा माल सही सलामत हालत में बरामद कर लिया गया।

जैन समाज की ओर से पुलिस की तत्परता एवं चोरी के खुलासा किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आज समाज जनों द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जाकर पुलिस का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्रदेश अधीक्षक श्री लाल उम्मेद सिंह, अधीक्षक श्री अजय सिंह, टीआई तेलीबांधा श्री विनय सिंह के साथ सभी सहयोगी पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्रदेश अधीक्षक श्री लाल उमेद सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन सदैव जन सुरक्षा के लिए सक्रिय है एवं भगवान के मंदिर से हुई चोरी में सफलता मिली है उसके लिए सहयोगी पुलिसकर्मी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की की किसी भी तरह की अपराधी गतिविधियों पर पुलिस प्रशासन उनके सतर्क है। समाज की ओर से शुभकामनाओं एंव बधाई के लिए उन्होंने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर श्री पद्म प्रभु दिगंबर जैन मंदिर के प्रमुख श्री विनोद जैन बडजात्या, दैनिक विश्व परिवार के संपादक प्रदीप कुमार जैन, श्री सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर के अध्यक्ष श्री नरेश जैन, मालवीय रोड मंदिर के ट्रस्टी श्री भरत लाल भोरावत, कोषाध्यक्ष चंद्रकांत जैन, श्री राशू बडजात्या, श्री विवेक जैन, श्री सुजीत जैन, श्री विपुल जैन एडवोकेट श्री देवेंद्र जैन सीए, श्री प्रसंग जैन आदि ने पुलिस की सक्रियता पर संपूर्ण जैन समाज की ओर से हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सराहना भरे उद्गार व्यक्त किये।

नगर पालिका जामुल में अटल सुशासन समारोह का किया गया आयोजन

जामुल (विश्व परिवार)। प्रदेश शासन के आहवान पर नगर पालिका जामुल में अटल सुशासन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में स्वागत भाषण मुख्य नगर पालिका अधिकारी अंकुर पाण्डेय ने सभी अतिथियों को सम्मान करते हुए बताया कि यह आयोजन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर अटल परिसर बनने के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम में वर्चुअल ऑनलाईन भूमि पूजन होगा। आप सभी सम्मानित जनप्रतिनिधी एवं गणमान्य नागरिकगणों का हार्दिक स्वागत है।

आयोजन समारोह के मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर थे जिन्होंने अटल सुशासन समारोह में सम्बोधित किया और कहा कि आज यदि हमारे घर के पते पर ''छत्तीसगढ़'' लिखा है तो यह देन हमारे भारत रत्न श्रद्धेय स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की ही कृपा है। जिसके 100वीं जयंती पर हम सब मिलकर सुशासन दिवस के रूप में मना रहे हैं। पूज्य अटल बिहारी वाजपेयी जो कि सोच यह थी कि सुशासन का मतलब राष्ट्र में समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति को सभी योजनाओं का लाभ मिले एवं अनुशासन के साथ सत्ता संचालक होकर जिम्मेदारी पूर्वक जरूरत मंद एवं वंचितो तक सुविधा पहुंचाना है। यही समाज सेवा है। ताकि हर तबके के जीवन में प्रगति एवं उन्नति आ सके। आज इस स्थल पर तीस लाख रूपये के लागत से अटल परिसर का निर्माण होगा जिसमें श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा लगेगी और गार्डन भी बनेंगे। समारोह में पार्षद कविता विश्वाल, दीपक गुप्ता, वरिष्ठ नागरिक देव बिहारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। समारोह में पार्षद खम्हन सिंह ठाकुर, चुम्मन वर्मा, राम दुलार साहू, के. राजू सहित वरिष्ठ जन जितेन्द्र साहू, सोनू यादव, सरस बर्मन, दिलीप सिंह, लल्लन सिंह, दुर्योधन साहू, प्रदीप सिंह, तोषण राजपूत, ओमप्रकाश साहू, बिशेश्वर वर्मा, अनिता साहू, हेमलता साहू, धनेश्वरी वर्मा, जानकी मानिकपुरी, रानी, संतोषी वर्मा सहित पालिका के अधिकारी के.एन. ताम्रकार, विनोद कनौजिया, पुनीत वर्मा, कर्मचारीगण नीलकंठ वर्मा, आशा जंघेल, मोहन वर्मा, हर्षा मेहरा, मेघनाथ सोनी, नरेन्द्र मढ़रिया, महेन्द्र परगनिहा, बशीर खान, श्यामरतन, देवकुमार, पुरूषोत्तम सोनी, भानु चौहान सहित भारी संख्या में जन समूह उपस्थित थे।

सिक्ख गुरुओं की शहादत पर छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन ने बांटे जरूरतमंदों को कम्बल, पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधे

रायपुर (विश्व परिवार)। आजादी के योगदान में सिख गुरुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, इसी कड़ी में उनके शहादत पर रायपुर में 21 से 27 तक शहीदी सप्ताह मनाया जाता है। इस अवसर पर राजधानी में छत्तीसगढ़ सिख संगठन के द्वारा जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटी गई।इसी अवसर पर लोगों को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुए पौधे भी वितरण किया. छत्तीसगढ़ सिख संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष दलजीत चावला ने बताया कि सिख समाज हमेशा ही सेवा भाव के रूप से लोगों को सहयोग करते आ रहे हैं, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप कुलदीप जुनेजा जी, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेंद्र छाबड़ा जी परविंदर भाटिया जी विनोद तिवारी जी, दलजीत चावला हरपाल भामरा, लवली अरोरा राजेंद्र अरोड़ा साथी महिला वीक प्रदेश अध्यक्ष श्वेता अरोरा सिम्मी चावला करण अरोड़ा रूमी सलूजा, रूबी गांधी, खुशबू अरोरा संजय सोनी, सहित अन्य सामाजिक सेवक मौजूद रहे।

स्वावलंबन की राह दिखाते स्वदेशी मेले का शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

27 दिसंबर की संध्या 7 बजे रंगारंग कार्यक्रमों के साथ होगा 8 दिवसीय स्वदेशी मेला का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में स्वदेशी जागरण फाउंडेशन की ईकाई भारतीय विपणन विकास केन्द्र द्वारा बीते 22 वर्षों से प्रतिवर्ष होने वाला भव्य स्वदेशी मेला इस वर्ष कल 27 दिसंबर से 3 जनवरी तक साइंस कॉलेज मैदान में होगा। रंगारंग समारोह के साथ कल संध्या 7 बजे मेला का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप करेंगे तथा विशेष अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री राजेश मूणत एवं स्वदेशी जागरण मंच मध्य क्षेत्र के संयोजक सुधीर दाते विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

गौरतलब है कि राजधानी रायपुर में प्रतिवर्ष 8 दिवसीय भव्य स्वदेशी मेला विगत 22 वर्षों से होता आ रहा है। इस संबंध में स्वदेशी मेला के संयोजक प्रवीण मैशेरी बताया कि इस मेला में छत्तीसगढ़ सहित गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, बंगाल, तमिलनाडु, बिहार,जम्मू कश्मीर, आंध्रप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के 300 से ज्यादा स्टॉल धारकों की सहभागिता होगी। मेले में हैंडीक्राफ्ट, लघु एवं कुटीर उद्योग के उत्पाद ,एजुकेशन, रियल स्टेट, ऑटो इंडस्ट्रीज, टेक्सटाइल, हैंडलूम, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सामाजिक, हेल्थ सेक्टर, सर्विस सेक्टर, फर्नीचर, टेलीकॉम आदि के स्टॉल्स देखने को मिलेंगे। स्वागत समिति के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल स्वागत समिति के सचिव रविन्द्र सिंह, मेला सह संयोजक अमरजीत सिंह छाबड़ा व मनीषा सिंह ने बताया कि मेले में शहरवासियों के लिए आकर्षक फूड स्टॉल एवं बच्चों के लिए झूले भी लगेंगे। स्वावलंबी भारत की राह दिखाता यह मेला अपने आप में अनूठा रहता है। ऐसा प्रतीत होता है मानों पूरा भारत यहां समा गया हो।

एक युद्ध-नशे के विरूद्ध अभियान की जिलास्तरीय समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, एसएसपी श्री लाल उम्मेद सिंह के निर्देश पर रायपुर जिले में नशे के खिलाफ एक युद्ध-नशे के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत लोगों को नशे से रोकने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और घुंमतू लोगों को रेशक्यू भी किए जाने का कार्य किया भी किया जा रहा है।

जादूगर सम्राट अजूबा ने अंडर वाटर डेथ चैलेंज मैजिक से दर्शकों का मन मोहा

दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा जादूगर अजूबा का जादू

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व प्रसिद्ध जादूगर सम्राट अजूबा का जादू रायपुर शहर के सिटी कोतवाली चौक के पास रंग मंदिर ऑडिटोरियम में धूम मचा रहा है रोजाना शो में शहर के लोग परिवार के साथ पहुंच रहे हैं। शो देखने के बाद लोगों का कहना है कि ऐसा शो पहली बार रायपुर में आया है और पूर्ण रूप से पारिवारिक शो है। मंच पर पल पल एक नया चमत्कार और नए नए बदलते ड्रेस में जादूगर का मंच पर आना, कभी लड़की को मंच पर बुलाकर हवा में उड़ाना तो कभी सुन्दर सी लड़की को खुंखार गोरिल्ला, कभी मंच पर खूंखार गोडजिला बनाकर सभी को हतप्रभ कर दिया। कई हास्य से भरे जादुई करतबों पर खूब ठहाके लगे तो दुनिया के सबसे खतरनाक स्टंट अन्डर वाटर डेथ चैलेंज दिखाकर जादूगर ने सभी को चकित कर दिया। यह शो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, नशे से दूर रहें, अपराध न करें जैसे अनेक संदेश भरे करतब को दर्शकों ने खूब सराहा। जादू शो प्रबंधक रुद्र प्रताप सिंह के अनुसार रोजाना 3 शो चलते हैं-1 बजे, 4 बजे एवं शाम 7 बजे। स्कूल, ग्रुप व कोचिंग के लिए विशेष छूट दिया जा रहा है। शो का टिकट ऑनलाइन www.jadugarajooba.com या ऑफलाइन रंगमंदिर ऑडिटोरियम में बने टिकट काउन्टर से ले सकते हैं

नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने लगभग 22.65 लाख रुपए के विकास कार्य का किया भूमिपूजन

जामुल (विश्व परिवार)। नगर पालिका परिषद जामुल क्षेत्र में विकास कार्य की गति कॉफी तेजी से चल रहा हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने लगभग 22.65 लाख रूपये के विकास कार्य का भूमिपूजन कर जामुल की विकास यात्रा को लगातार जारी रखा हैं भूमिपूजन के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि अध्यक्ष निधि से वार्ड क्र. 20 में 2.65 लाख रूपये सौंदर्यीकरण कार्य, वार्ड क्र. 19 में स्कुल तिराहा के पास 20.00 लाख रूपये से पथवे निर्माण कार्य किया जायेगा। नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि हमारे नगर पालिका जामुल में अभी और अनेको प्रकार के विकास कार्य सभी वार्डो में संपादित होगा। भूमिपूजन के अवसर पर विधि तथा सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी अहिल्या वर्मा, अध्यक्ष प्रतिनिधि बिसेश्वर वर्मा, तुलाराम टंडन, बल्लू ठाकुर, हीरा सिंह ठाकुर एवं अन्य गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थें।

मनोहर गौशाला में गौताओं की सेवा अविस्मरीण : विशेषर सिंह पटेल

मनोहर गौशाला खैरागढ़ का मना 11वां स्थापना दिवस, शामिल हुए छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष

रायपुर (विश्व परिवार)। खैरागढ़ स्थित मनोहर गौशाला के 11वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। परमात्मा की भव्य पूजा-अर्चना कर प्रभु पार्श्व का जन्म कल्याणक भी मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल ने कहा कि बिना गौ माता की सेवा के हमारा जीवन आगे नहीं बढ़ सकता। मनोहर गौशाला में जिस तरह से गौमाताओं की सेवा की जा रही है, वह सराहनीय है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि गौसेवा से ही हमारा भविष्य उज्जवल हो सकता है। हमारे वैज्ञानिक गोबर, गौमूत्र पर लगातार रिसर्च कर रहे हैं, जिसमें मनोहर गौशाला का भरपूर सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जीव जंतु कल्याण बोर्ड भारत सरकार के डायरेक्टर सुनील मानसिंहका, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के डायरेक्टर ऑफ रिसर्च डॉ. विवेक त्रिपाठी, जीवदया रत्न अवार्ड से सम्मानित प्रीति मालू नवसारी (गुजरात), मनोहर गौशाला के ट्रस्टी महेंद्र लोधा, वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र डाकलिया, खैरागढ़ कलेक्टर चंद्रकांत वर्मा, एसपी त्रिलोक बसंल, वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. मुकेश शाह, दाऊ पुरुषोत्तम वासुदेव चंद्राकर अंजोरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति नारायण पुरुषोत्तम दक्षिणकर, जिला पंचायत खैरागढ़ अध्यक्ष विक्रांत सिंह मौजूद थे।

प्रीति मालू को मिला जीवदया रत्न अलंकरण : मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने बताया कि कार्यक्रम में जीवदया गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान श्रीमती प्रीति मालू नवसारी (गुजरात) को उनके द्वारा स्कूल के छात्रों से रोजाना एक लाख रोटी एकत्रित कर गौ सेवा में वितरित करने के लिए जीवदया रत्न अलंकरण प्रदान किया गया।

भजन की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए गौसेवक : कार्यक्रम में पूजन कराने के लिए पंकज चोपड़ा खाचरौद से पधारे थे। साथ ही भजन संख्या भी हुई। भजन सम्राट नमन जैनम डाकलिया बंधु ने भजनों की प्रस्तुति से दर्शकों-गौ भक्तों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद : कार्यक्रम का कुशल संचालन गगन बरडिया और आभार प्रदर्शन वरिष्ठ समाजसेवी इंदु लोढ़ा ने किया। कार्यक्रम में महेंद्र लोढ़ा, प्रवीण पारख, राजेश बरलोटा, , मनीष बोथरा, अक्षय पात्रा, प्रभु गौर दास स्वामी जी, राजेंद्र डाकलिया, श्रेणिक नाहर चेन्नई सहित गौसेवक, किसान, स्थानीय लोग मौजूद थे।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में वीर बाल दिवस पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की छात्रा खुशबू वर्मा ने प्रथम, भूमिका साहू ने द्वितीय और पारुल जायसवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया

रायपुर (विश्व परिवार)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व-विद्यालय में वीर बाल दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिता में एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू वर्मा ने प्रथम, बीएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम वर्ष की छात्रा भूमिका साहू ने द्वितीय और बीएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम वर्ष की छात्रा पारुल जायसवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि दसवें सिक्ख गुरु श्री गोविंद सिंह जी के पुत्रों साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत से हमें सत्य और धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को असत्य के सामने कभी भी न झुकने का संदेश दिया।

डॉ. नृपेंद्र शर्मा ने अपने वक्तव्य में वीरता और साहस के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यदि आप वीर और साहसी बनेंगे तो न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे, बल्कि दूसरों की सहायता भी कर पाएंगे। मनोबल बनाए रखना और किसी भी कठिनाई का सामना करना ही सच्ची वीरता है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी बलवंत खन्ना ने कहा कि किसी कार्य में पारंगत होना जितना जरूरी है, उससे ज्यादा बिगड़ी स्थिति को सुधारना है। यानी जीवन में कमियों को दूर करने का कौशल बहुत जरूरी है।

इस मौके पर श्री खन्ना ने अपनी पुस्तक है तो है शिक्षकों और विद्यार्थियों को भेंट की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राज्यपाल से सम्मानित हुए 'लघु अटल' विकास शर्मा

अटल जन्म शताब्दी पर राजभवन में काव्यपाठ

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशती के अवसर पर राजभवन में काव्यांजलि का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अटल जी से जुड़े संस्मरणों को याद करते हुए उन्हें विराट व्यक्तित्व का धनी बताया। अटल जी पर केंद्रित काव्यपाठ में अटल जी की भाव भंगिमाओं के साथ ही हूबहू उन्हीं की शैली में उनकी कविताओं का पाठ, विचारों की अभिव्यक्ति बेहद जीवंत प्रभावी ढंग से विकास शर्मा ने प्रस्तुत किया। राज्यपाल डेका ने छत्तीसगढ़ सहित राष्ट्रीय स्तर पर लघु अटल के नाम से ख्याति प्राप्त विकास शर्मा को अनूठी प्रतिभा के लिए प्रतीक चिन्ह एवं राजकीय गमछा से सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में जनसंपर्क अधिकारी के पद पर सेवारत विकास शर्मा पहले भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय गोयल, सुरेश सोनी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह समेत अनेक वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अटल जी कविताओं की प्रस्तुति अटल जी की शैली में दे चुके हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354